mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-20 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

20 जनवरी 2025 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

बीमार पड़ने के...

@ पेज 7

हमारे करीबी और प्रिय सैफ अली खान पर हमला बहुत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण

जौनपुर (एजेंसी)। नई दिल्लीः अभिनेता सैफ अली खान पर हुए हमले को लेकर देशभर में चर्चाओं का दौर जारी है। इस बीच एक्टर और राजनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने भी इस मुद्दे पर बयान

● हमले को लेकर सामने आया शत्रुघ्न सिन्हा का बयान

दिया है। उन्होंने कहा, हमारे करीबी और प्रिय सैफ अली खान पर हमला बहुत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। इस हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। भगवान का शुक्र है कि वह ठीक हो रहे हैं।% शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा, %मेरे ऑलटाइम पसंदीदा %शो मैन% फिल्म निर्माता राजकपूर की पोती

करीना कपूर खान और परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं। एक विनम्र अपील है कि कृपया दोषारोपण का खेल बंद करें। पुलिस अपना काम अच्छे से कर रही है। हम निश्चित रूप से अपने मुख्यमंत्री और गृह मंत्री की सराहना करते हैं।
शत्रुघ्न सिन्हा ने सीएम फडणवीस, डिप्टी सीएम अजित पवार और एकनाथ शिंदे को भी उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया है। शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि सैफ सबसे शानदार स्टार/अभिनेता में से एक हैं और पद्मश्री और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता भी हैं। कानून अपना काम करेगा क्योंकि चीजें सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं। जल्द स्वस्थ हो जाओ सैफ।
गौरतलब है कि आज सुबह ही ये खबर सामने आई थी कि बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर हमला मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने इस मामले से जुड़े एक आरोपी को ठाणे से गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम मोहम्मद आलियान उर्फ ब्क्ष्ध है। पकड़े जाने के डर से वह अपना झूठा नाम विजय दास बता रहा था। आरोपी को मुंबई से सटे ठाणे के कसारवडवली में हीरानंदानी एस्टेट के पीछे झाड़ियों से पकड़ा गया है। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर 16 जनवरी की आधी रात को हमला हुआ था। मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी ने चोरी के इरादे से उनके घर में घुसकर उनपर चाकू से हमला किया था। इस हमले में अभिनेता सैफ अली खान को कई गंभीर चोटें आई और उनका मुंबई के लीलावती अस्पताल में इलाज चल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

इजरायल-हमास के बीच संघर्ष विराम हुआ लागू, पीएम ने किया ऐलान

दीरअल-बलाह (एजेंसी)। इजरायल-हमास के बीच गाजा युद्ध विराम समझौते के तहत आज संघर्ष विराम काफी उतार-चढ़ाव के बाद लागू हो गया है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने खुद इसका ऐलान किया है। हालांकि यह विराम आज रविवार को सुबह 8.30 बजे से दोनों पक्षों से बंधकों और बंदियों की रिहाई

होनी थी, लेकिन फिर मामला फंस गया था। इससे पहले बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को कहा था कि जब तक हमास द्वारा रिहा किए जाने वाले बंधकों की सूची नहीं मिल जाती, तब तक गाजा में संघर्ष विराम प्रभावी नहीं होगा। इसके बाद अब हमास ने सूची सौंप दी है। स्थानीय समयानुसार सुबह करीब साढ़े आठ बजे संघर्ष विराम प्रभावी होने से ठीक एक घंटे पहले उन्होंने एक बयान में चेतावनी दोहराई। बता दें कि हमास ने नाम सौंपने में देरी को लेकर ''तकनीकी कारण'' बताया है। उसने एक बयान में कहा कि वह पिछले सप्ताह घोषित किए गए संघर्ष विराम समझौते के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार को कहा कि उनका देश हमास के साथ युद्ध विराम को अस्थायी मान रहा है और यदि आवश्यक हुआ तो लड़ाई जारी रखने का अधिकार रखता है। इजरायल को बंधकों की सूची नहीं मिलने से युद्ध-विराम लागू होने में 3 से 4 घंटे तक की देरी हुई। पहली किश्त में करीब 42 इजरायली बंधक रिहा होंगे।

अपने शपथ ग्रहण के बाद भारत की यात्रा कर सकते हैं ट्रंप

वाशिंगटन **(एजेंसी)।** अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से तगड़ी दोस्ती है। इसलिए वह अपने शपथ ग्रहण के बाद भारत की यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मीडिया के अनुसार ट्रंप ने भारत की अपनी संभावित यात्रा को लेकर सलाहकारों से

बातचीत की है। ट्रंप नई दिल्ली की यात्रा करके भारत-अमेरिका के मजबूत संबंधों का संदेश पूरी दुनिया को देना चाहते हैं। साथ ही वह विश्व को बदलते वर्ल्ड ऑर्डर में भारत और अमेरिका की भूमिका को सबसे अहम होने की बाद भी दर्शाना चाहते हैं। इतना ही नहीं, वह चीन के साथ भी अमेरिका के बिगड़े रिश्तों को सुधारना चाहते हैं। कहा जा रहा है कि उन्होंने बीजिंग के साथ संबंधों को सुधारने के लिए पदभार संभालने के बाद चीन की यात्रा पर भी जाने का विचार कर रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने भारत की संभावित यात्रा को लेकर भी सलाहकारों से बातचीत की है। मीडिया में शनिवार को आई एक खबर में यह जानकारी दी गई। वह राष्ट्रपति बनने के बाद रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने का वादा भी कर चुके हैं। अपना पदभार संभालने के बाद ट्रंप भारत और चीन की यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं। हालांकि ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान चीन पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की चेतावनी दी थी।

काला जादू के शक में महिला को लोहे की छड़ से दागा, पेशाब पीने और कुत्ते का मल खाने पर किया मजबूर

अमरावती (एजेंसी)। जिले के एक गांव में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां काला जादू करने के संदेह में 77 वर्षीय एक वृद्ध महिला की पिटाई कर दी गई। इतना ही नहीं उसे जबरन पेशाब पीने के लिए मजबूर किया गया और लोहे की छड़ से दाग दिया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि ये घटना 30 दिसंबर की है, जिसकी शिकायत इस महीने के शुरू में दर्ज कराई गई। बुजुर्ग महिला के बेटे और बहू ने कार्रवाई की मांग करते हुए वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क किया। उन्होंने बताया कि यह बुजुर्ग महिला चिखलदारा तालुका के रेत्याखेड़ा गांव की रहने वाली है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को भेजे पत्र में शिकायतकर्ताओं ने गंभीर आरोप लगाए हैं। इसमें कहा गया है कि 30 दिसंबर को जब महिला घर पर अकेली थी तब उसके पड़ोसियों ने यह आरोप लगाते हुए उसे पकड़ लिया कि वह काला जादू करती है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि ग्रामीणों ने महिला को लाठी से पीटा तथा उन्हें थप्पड़-घूसे मारे और उसके हाथ-पैर पर लोहे की छड़ से दाग भी दिया। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि महिला को पेशाब पीने और कुत्ते का मल खाने के लिए मजबूर किया गया। इसके बाद गले में जूते-चप्पल की माला डालकर उन्हें घूमाया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने सीएम योगी से घटना की जानकारी ली

प्रयागराज के महाकुंभ मेला क्षेत्र में लगी आग पर पाया गया काबू

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज के महाकुंभ मेला क्षेत्र में आज आग लग गई। मेला क्षेत्र में दूर-दूर तक धुएं के गुबार उठते हुए नजर आने लगे। आग की तेज लपटें फैलती हुई दिखने लगीं। मौके पर मौजूद दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया। किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई खबर नही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लिया और वे खुद घटनास्थल पर पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी ने भी सीएम योगी से घटना की जानकारी ली।
जानकारी के मुताबिक महाकुंभ मेला क्षेत्र के सेक्टर 19 में यह आग लगी। दमकल की 4 गाड़ियां आग बुझाने में जुट गईं और देखते ही देखते आग पर काबू पा लिया गया। आग से किसी तरह के जानमाल के नुकसान की फिलहाल कोई खबर नहीं है। बताया जाता है मेला क्षेत्र के इस हिस्से में रखे सिलेंडर में ब्लास्ट हुआ और आग तेजी से फैलने लगी। जानकारी के मुताबिक पांडाल का एक बड़ा हिस्सा जलकर खाक हो गया है। बताया जाता है कि यह एक बड़ी आग थी लेकिन वहां इस

तरह के इंतजाम किए गए थे कि आग पर तत्काल काबू पा लिया गया।
उधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस घटना का संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर सभी बड़े अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद हैं। बताया जाता है कि मौके पर मौजूद दमकल की गाड़ियों और एसडीआरएफ की टीम ने करीब आधे घंटे के अंदर आग पर पूरी तरह के काबू पा लिया। आग से किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।
रेलवे लाइन के नीचे गीता प्रेस गोरखपुर के पांडाल में आग लगी थी। इस अग्निकांड में अखाड़ों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। सभी अखाड़े सुरक्षित हैं। किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। पुलिस का कहना है कि लोग अफवाहों पर ध्यान नहीं दें।
वहीं प्रयागराज के डीएम रविंद्र कुमार मंदर ने कहा, आज 4.30 बजे कुंभ क्षेत्र सेक्टर 19 के गीता प्रेस में आग लगने की सूचना हमें मिली थी। फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। गीता प्रेस के साथ 10 प्रयागवाल के टेंट में भी आग फैलने की सूचना मिली थी जिसको बुझा लिया गया है। हालात सामान्य है, किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है।

गंगा नदी में नाव डूबी, सवार थे 17 लोग, तीन की मौत, चार लापता

कटिहार (एजेंसी)। बिहार के कटिहार जिले में रविवार को गंगा नदी में नाव पलट गई। नाव में 17 लोग सवार थे। इनमें से 10 लोग तैरकर किनारे पहुंच गए, लेकिन तीन लोगों की मौत हो गई जबकि चार अन्य लापता हो गए। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि यह नौका अमदाबाद इलाके में गोलाघाट के पास पलटी, जिसमें 17 लोग सवार थे। अधिकारियों ने बताया कि अब तक दस लोगों को बचाया जा चुका है, जिनमें अधिकतर तैरकर किनारे तक पहुंचे। जिलाधिकारी मनेश कुमार मीणा ने बताया, ''लापता चार लोगों की तलाश के लिए बचाव अभियान जारी है। घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दिए गए हैं।'' अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में से दो की पहचान पवन कुमार (60) और सुधीर मंडल (70) के रूप में हुई है, जबकि एक अन्य की पहचान नहीं हो पाई है।

नाराज भक्तों ने पूछा- 'कैमरा कैसे अंदर गया, पुलिस क्या कर रही'

श्री जगन्नाथ मंदिर के गर्भगृह का वीडियो वायरल

पुरी (एजेंसी)। ओडिशा में पुरी के श्री जगन्नाथ मंदिर के अंदर का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह वीडियो बांके बिहारी अनंता नाम के यूजर ने शेयर किया था। वीडियो में मंदिर परिसर और गर्भगृह की तस्वीरें दिखाई दे रही हैं। यह घटना एक बार फिर इस प्राचीन मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। मंदिर के अंदर फोटोग्राफी पर श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने प्रतिबंध लगाया हुआ है। इसके अलावा, सेवायतों और मंदिर के अन्य कर्मचारियों को भी स्मार्टफोन लेकर अंदर जाने की अनुमति नहीं है। मंदिर प्रशासन ने फोन रखने के लिए बाहर मोबाइल स्टैंड भी लगाए हैं। जो कोई भी इस नियम का उल्लंघन कर फोन अंदर ले जाता है, उसे 1,000 रुपये का जुर्माना देना पड़ता है। इसके बावजूद मंदिर के अंदर का वीडियो बना लिया गया और इसे सोशल मीडिया पर शेयर भी कर दिया गया। भक्तों ने इस घटना पर नाराजगी जताई है और आरोप लगाया है कि मंदिर के बाहर तैनात पुलिस अधिकारी अपनी जिम्मेदारी सही से नहीं निभा रहे हैं, जिससे ऐसे मामले बार-बार हो रहे हैं।
श्री जगन्नाथ मंदिर के मुख्य प्रशासक ने बताया कि उन्होंने अपनी टीम को शिकायत दर्ज करने के लिए

कह दिया है और लोगों से वीडियो को वायरल न करने की अपील की है। वहीं, पुरी के एसपी विनीत अग्रवाल के अनुसार ये मामला पुलिस के संज्ञान में आया है और पुलिस जल्द ही इस मामले कांटे तक पहुंच कर इस पर एक्शन लेगी। यह घटना मंदिर प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था के प्रति लोगों के भरोसे को हिला रही है और इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है।
पुरी में जगन्नाथ मंदिर के ऊपर रविवार (5 जनवरी) तड़के एक ड्रोन देखा गया था। ड्रोन तड़के करीब 4ः10 बजे मंदिर के ऊपर देखा गया था और यह करीब आधे घंटे तक मंडराता रहा था, जिससे सुरक्षा संबंधी चिंताएं उत्पन्न हो गई थी। यह उड़ान निषिद्ध क्षेत्र है। घटना की जांच के लिए अलग-अलग टीम गठित की गई थीं।

सैफ अली पर हमले का आरोपी गिरफ्तार

फिलहाल आरोपी को बांद्रा पुलिस को सौंप दिया गया

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर हमला मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने इस मामले से जुड़े एक आरोपी को ठाणे से गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम शहजाद है। पकड़े जाने के डर से वह अपना झूठा नाम विजय दास बता रहा था। आरोपी को मुंबई से सटे ठाणे के कसारवडवली में हीरानंदानी एस्टेट के पीछे झाड़ियों से पकड़ा गया है।

इसके अलावा यह भी पता चला है कि आरोपी ठाणे में ऋद्बष्ह्य4%ह्य बार में हाउसकीपिंग वर्कर के रूप में काम करता था। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इसके बाद आरोपी से पुलिस की टीम पूछताछ कर रही है। वहीं सुबह 9 बजे इस मामले में प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई। फिलहाल आरोपी को बांद्रा पुलिस को सौंप दिया गया है। इसके बाद उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा, जहां पुलिस हिरासत की मांग करेगी। उसकी गिरफ्तारी से मामले का खुलासा होने की उम्मीद है।

आरोपी अपना नाम लगातार बदल रहा है। थोड़ी देर पहले उसने पुलिस को बताया

कि उसका नाम मोहम्मद शहजाद है। आरोपी के पास से न कोई आधार कार्ड मिला है और ना ही कोई ऐसा डॉक्यूमेंट जिससे उसके नाम या फिर उसके पते को वेरीफाई किया जा सके। शुरुआती जानकारी में सामने आया है कि आरोपी पिछले सात-आठ महीने से मुंबई और ठाणे में अलग-अलग जगह पर काम कर रहा था। अभी कुछ दिनों से वह एक पांडे नाम के ठेकेदार के साथ में कंस्ट्रक्शन साइट पर काम कर रहा था। वारदात के बाद से वह लगातार न्यूज चैनल देख रहा था और चैनल्स ट्रैक कर रहा था। गिरफ्तारी के डर से उसने अपना फोन भी बंद कर रखा था।

बता दें कि बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर 16 जनवरी की आधी रात को हमला हुआ था। मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी ने चोरी के इरादे से उनके घर में घुसकर उनपर चाकू से हमला किया था। इस हमले में अभिनेता सैफ अली खान को कई गंभीर चोटें आई हैं। अभिनेता को मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने इस संबंध में उनके परिवार और स्टाफ का बयान दर्ज कर लिया है।

सैफ अली खान पर हुए हमले के कुछ घंटों बाद मुंबई पुलिस ने बिल्डिंग का सीसीटीवी फुटेज भी जारी कर दिया था, जिसमें आरोपी को सीढ़ियों से नीचे उतरते देखा जा सकता है। फुटेज के आधार पर शुक्रवार को पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया था, लेकिन पूछताछ के बाद ये साफ कर दिया कि ये हमलावर नहीं है।

जाति जनगणना के मुद्दे पर राहुल साध लेते थे चुप्पी

जनता दल (यूनाइटेड) ने राहुल गांधी पर ढोंग करने का आरोप लगाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने शनिवार को बिहार में बयान देकर जाति जणगणना के मुद्दे पर सियासी माहौल को एक बार फिर गरमा दिया है। वहीं जनता दल (यूनाइटेड) ने जाति आधारित जनगणना के मुद्दे पर राहुल गांधी पर ढोंग करने का आरोप लगाया। जनता दल (यूनाइटेड) की ओर से यह कहा गया कि 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक दलों की बैठकों में जब नीतीश कुमार इस मुद्दे को उठाते थे तब कांग्रेस नेता चुप्पी साध लेते थे। पार्टी ने यह भी सवाल उठाया कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने राज्य की जाति आधारित जनगणना का आंकड़ा क्यों नहीं जारी किया?

राहुल ने जाति सर्वेक्षण को बताया था फर्जी

दरअसल, एक दिन पहले राहुल गांधी ने पटना में एक कार्यक्रम में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा किए गए जाति आधारित सर्वेक्षण को फर्जी बताया था और देशभर में

जाति आधारित जनगणना की वकालत की थी। इसके बाद जद(यू) के कार्यकारी अध्यक्ष एवं सांसद संजय झा ने कांग्रेस नेता पर निशाना साधा है। झा ने कहा, ''इससे बड़ा पाखंड कुछ और नहीं हो सकता। कई जगहों पर 'इंडिया' के घटक दलों की बैठकों में मैंने गांधी (राहुल) को चुप्पी साधे देखा था, जबकि कुमार जाति आधारित जनगणना के पक्ष में दृढ़ता से तार्किक बातें बोल रहे थे।''

नीतीश एक मात्र नेता थे जिन्होंने जाति जनगणना का मुद्दा उठाया: नीतीश कुमार की जद(यू) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से हाथ मिलाने से पहले 'इंडिया' में शामिल थी। संयोग से बिहार का जाति आधारित सर्वेक्षण उस समय किया गया और उसके निष्कर्ष जारी किए गए जब कांग्रेस, कुमार के नेतृत्व वाली सरकार में सहयोगी थी। झा ने कहा कि कुमार एकमात्र नेता थे जिन्होंने जाति आधारित जनगणना का मुद्दा उठाया था और 'इंडिया' के घटक दल के सभी सदस्य इसके गवाह हैं। बिहार में जाति आधारित सर्वेक्षण का बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि 1931 में अंतिम बार देशव्यापी जाति आधारित जनगणना हुई थी इसके बाद से कुमार एकमात्र नेता हैं जिन्होंने वैज्ञानिक तरीके से विभिन्न जातियों की आबादी की जनगणना करने का फैसला किया।

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार क्यों आंकड़ों को दबाए बैठी है?: राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता को ज्यादा स्पष्ट होना चाहिए और लोगों को बताना चाहिए कि क्या उन्हें लगता है कि बिहार के जाति आधारित सर्वेक्षण में कुछ समुदायों की आबादी अधिक और कुछ की कम बताई गई है। कांग्रेस की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि कर्नाटक में उसकी सरकार कई वर्षों से राज्य में जाति आधारित गनगणना के आंकड़ों को दबाए बैठी है। उन्होंने पूछा कि गांधी ने इसे जारी क्यों नहीं कराया?''

गोवा में पैराग्लाइडिंग के दौरान हादसा, महिला पर्यटक और पायलट की हुई मौत

पणजी (एजेंसी)। पैराग्लाइडिंग करना हर किसी का सपना होता है। हालांकि कई बार पैराग्लाइडिंग के दौरान हादसे भी होते रहे हैं, जिससे बचने के लिए सतर्कता बरतनी जरूरी होती है। ऐसा ही एक हादसा उत्तरी गोवा से सामने आया है। यहां पैराग्लाइडिंग के दौरान लापरवाही की वजह से दो लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में पैराग्लाइडिंग कर रही एक महिला पर्यटक और उसके प्रशिक्षक की मौत हो गई है। पुलिस इस घटना के बारे में रविवार को जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि ये हादसा शनिवार शाम करीब पांच बजे केरी गांव में हुआ। उन्होंने बताया कि पुणे निवासी पर्यटक शिवानी डाबले और उनके प्रशिक्षक सुमल नेपाली (26) की केरी पठार में दुर्घटना में मौत हो गई। महिला का प्रशिक्षक नेपाली नागरिक था। अधिकारी ने बताया कि दाबले ने 'पैराग्लाइडिंग' के लिए जिस 'एडवेंचर स्पोर्ट्स कंपनी' से बुकिंग कराई थी, वह अवैध रूप से संचालित की जा रही थी। उन्होंने बताया कि शिकायत के अनुसार उड़ान भरने के तुरंत बाद 'पैराग्लाइडर' खड्ड में गिर गया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। इस संबंध में कंपनी के मालिक शेखर रायजादा के खिलाफ मंद्रेम पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा दी गई सीमा अनुसार गेहूं का स्टॉक संधारित किया जाए

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जिला आपूर्ति नियंत्रक सुश्री मीना मालाकार ने भोपाल जिले अंतर्गत गेहूं के सभी व्यापारियों, थोक विक्रेताओं को सूचित किया है कि भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा दी गई सीमा अनुसार ही गेहूं का स्टॉक संधारित किया जाए अन्यथा स्थिति में म.प्र. गेहूं अधिकतम स्टॉक सीमा एवं स्टॉक घोषणा नियंत्रण आदेश 2024 अनुसार कार्यवाही की जाएगी। सुश्री मालाकार ने भारत सरकार द्वारा 11 दिसम्बर 2024 को पूर्व में जारी अधिसूचना में थोक विक्रेता, व्यापारी की अधिकतम स्टॉक क्षमता एवं प्रोसेसर्स की मासिक स्थापित क्षमता में संशोधन किया गया है जिसके अनुसार 11 दिसम्बर 2024 से 15 दिनों के भीतर व्यापारी, थोक विक्रेता को गेहूं का स्टॉक 1000 मे.टन तक तथा रिटेलर के लिए 05 मेट्रिक टन तक लाना है। प्रोसेसर्स का स्टॉक भी उसकी मासिक स्थापित क्षमता के 50 प्रतिशत मात्रा को अप्रैल 2025 तक के शेष महीनों की संख्या से गुणा करने पर आने वाली मात्रा के समतुल्य से अधिक नहीं रखना है।

निजी स्वास्थ्य संस्थाओं में भी मिल रही निःशुल्क नसबंदी की सुविधा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं के अलावा भोपाल की 49 निजी स्वास्थ्य संस्थाओं में भी नसबंदी की सुविधा दी जा रही है। इन निजी स्वास्थ्य संस्थाओं में निःशुल्क नसबंदी कराई जा सकेगी। परिवार कल्याण कार्यक्रम के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय द्वारा भोपाल की 49 स्वास्थ्य संस्थाओं को नसबंदी के लिए एम्पनेल्ड किया गया है। जिला क्वालिटी एश्योरेंस समिति द्वारा नर्सिंग होम एक्ट के तहत पंजीकृत न्यूनतम 10 बिस्तरीय अस्पतालों को ये मान्यता दी गई है। निजी अस्पतालों में नसबंदी करवाने वाले हितग्राहियों को 1000 रुपए की राशि का भुगतान भी किया जाएगा, जो कि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से होगा। इसके लिए अस्पताल द्वारा हितग्राही का आधार कार्ड एवं बैंक पासबुक की कॉपी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में जमा की जाएगी। सीएमएचओ कार्यालय द्वारा ई-वित्त प्रणाली के माध्यम से हितग्राही के खाते में भुगतान किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि नसबंदी एवं परिवार कल्याण की अन्य सेवाएं शासकीय चिकित्सालयों में पूर्व से दी जा रही हैं। परिवार कल्याण साधनों की पहुंच को और सुगम बनाने के उद्देश्य से निजी अस्पतालों को भी जोड़ा जा रहा है।

अप्रैल में होगा हिन्दू उत्सव समिति के अध्यक्ष का चुनाव

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में हिंदू उत्सव समिति की कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक श्री राम मंदिर गुरूबक्स की तलैया में आयोजित की गई। बैठक में समिति के अध्यक्ष पद के लिए अप्रैल 2025 में चुनाव कराने का निर्णय लिया गया। साथ ही, नई सदस्यता के लिए आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 30 जनवरी 2025 कर दिया गया है। समिति के महामंत्री शरण खटीक ने बताया कि संतोष साहू की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में संविधान संशोधन से जुड़े 5 महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। हालांकि, इन विषयों को साधारण सभा में प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया, क्योंकि ये मुद्दे साधारण सभा के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। बैठक में समिति के कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे, जिनमें नारायण सिंह कुशवाह, पंडित ईशदयाल शर्मा, एडवोकेट संजय गुप्ता, कैलाश साहू, देवेंद्र बना, खेमचंद राठौर, सुरेश साहू और महेंद्र सिंह ठाकुर प्रमुख थे। समिति के वर्तमान अध्यक्ष ने चुनाव की घोषणा करते हुए संगठन के भविष्य की रूपरेखा पर भी चर्चा की।

120 स्कूली बच्चों ने सीखा प्रकृति का महत्व

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में अनुभूति 2025 कार्यक्रम के तहत एक अनूठी पहल की गई, जहां 120 स्कूली छात्रों को समरधा वन परिक्षेत्र में प्रकृति से रूबरू कराया गया। शुक्रवार को आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों ने जल, जंगल और जमीन की प्राकृतिक संरचना को करीब से देखा और समझा। साथ ही सभी बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।एसडीओ धीरज सिंह चौहान ने कार्यक्रम के महत्व को समझाते हुए कहा कि आधुनिक युग में बच्चे प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जब तक बच्चे प्रकृति को समझेंगे नहीं, तब तक वे इसकी रक्षा के लिए प्रेरित नहीं होंगे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को न केवल पर्यावरण की जानकारी देना था, बल्कि उन्हें इससे जुड़ी चुनौतियों से भी अवगत कराना था। समरधा रेंज के रेंजर शिवपाल पिपर्दे ने बच्चों को प्रकृति के महत्व और उससे मिलने वाले लाभों के बारे में विस्तार से बताया। विशेष प्रशिक्षकों द्वारा बच्चों को यह भी समझाया गया कि कैसे आधुनिकता ने हमारे जीवन में पर्यावरण से जुड़ी समस्याएं पैदा की हैं और इनसे निपटने के लिए क्या किया जा सकता है।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युन सिंह तोमर ने सिविल अस्पताल हजीरा का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शनिवार की सुबह सिविल अस्पताल हजीरा का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेकर सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

ऊर्जा मंत्री ने यहां गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू), शिशु वार्ड, महिला वार्ड में भर्ती मरीजों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेते हुए अस्पताल की व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया तथा मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी मरीज को कोई असुविधा न हो।

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने अस्पताल परिसर में बैठक कर निर्देश दिए कि गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में विजिटर्स के कार्ड व्यवस्था प्रारंभ की जाए। ब्लड बैंक का निर्माण कर शीघ्र प्रारंभ करने के इंतजाम किए जाएं। गहन चिकित्सा इकाई में नर्सिंग स्टाफ की व्यवस्था शीघ्र होगी। अस्पताल परिसर में कैथ लैब की स्थापना किए जाने की

प्रक्रिया तेज़ की जाए। इसके साथ ही साफ-सफाई तथा गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने बताया कि जल्द कैंसर, हृदय रोग आदि गंभीर रोगों के उपचार के लिये प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों से विशेषज्ञ चिकित्सक सिविल अस्पताल हजीरा में अपनी निः शुल्क सेवाएं देंगे। उल्लेखनीय है कि ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर सिविल अस्पताल हजीरा में कैथ लैब की स्थापना के लिये आईसीयू के शुभारंभ पर घोषणा कर चुके हैं। कैथ लैब यानि कार्डियक कैथीटेराइज़ेशन लैब में हृदय से जुड़े रोगों का निदान और इलाज किया जाता है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर द्वारा ग्वालियर 15 विधानसभा में जन सेवा में समर्पित और जनकल्याण समिति के सौजन्य से संचालित दंत चिकित्सा वाहन के जरिए शनिवार को किशनबाग में 70 दंत रोगियों का उपचार किया गया। उल्लेखनीय है कि चलित दंत चिकित्सालय के जरिए प्रतिदिन उप नगर ग्वालियर के अलग-अलग क्षेत्रों में लोगों को सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

वन विभाग के दो दिवसीय मंथन सत्र का हुआ समापन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वन विभाग द्वारा अपेक्स बैंक भोपाल के सभागृह में शनिवार को आयोजित मंथन सत्र में ईको पर्यटन नियम, राज्य वन अनुसंधान संस्थान को सुदृढ़ करने और राष्ट्रीय उद्यान एवं टाइगर रिजर्व का प्रेजेंटेशन हुआ। वन मंथन में प्रदेश के कृषकों की निजी भूमि पर बाँस रोपण को प्रोत्साहित करने की प्रक्रिया का सरलीकरण करने पर विचार-विमर्श हुआ। वन समितियों के माध्यम से वन विकास अभिकरण का उपयोग कर राशि के उपयोग को पुनर्जीवित किये जाने पर विचार किया गया। ट्री-आउटसाइड फॉरेस्ट को बढ़ावा देने के लिये कार्य-योजना बनायी गयी। इसमें नगर वनों की तरह ही ग्राम पंचायतों के लिये भी ग्राम वनों का विकास करने की रणनीति तैयार की गयी। प्रदेश में वन एवं वन्य-जीवों के वैज्ञानिक प्रबंधन के लिये राज्य वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर का सुदृढ़ीकरण का निर्णय

लिया गया। वन मंथन के समापन सत्र में अपर मुख्य सचिव वन श्री अशोक बर्णवाल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री असीम श्रीवास्तव और वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रदेश सरकार समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए मिशन मोड पर कर रही कार्य-मंत्री श्री चौहान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए मिशन मोड पर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना में भूमि स्वामी अधिकार अभिलेख वितरण कार्यक्रम जिला आगर-मालवा में जिले के प्रभारी एवं अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि महिला, गरीब, युवा एवं किसान का जीवन बेहतर बनाना सरकार की पहली प्राथमिकता है।

मंत्री श्री चौहान ने बताया कि आगर-मालवा जिले के 45 हजार हितग्राहियो को अपनी भूमि का अधिकार पत्र मिला है। मंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश के 15 लाख 63 हजार से अधिक हितग्राहियों

को प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के तहत सम्पत्ति कार्ड का ई-वितरण किया है।

इस अवसर पर विधायक आगर श्री मधु गहलोत, नगर पालिका अध्यक्ष श्री निलेश जैन पटेल कलेक्टर श्री राघवेन्द्र सिंह, जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, लाभार्थी और नागरिक उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना में भूमि स्वामी अधिकार अभिलेख वितरण कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा केंद्र स्तरीय कार्यक्रम में हितग्राहियों को प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना में झाबुआ जिले में ई-वितरण कार्यक्रम महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया की अध्यक्षता में हुआ। झाबुआ जिले के 50 ग्रामों के अंतर्गत 4,286 अधिकार अभिलेखों का वितरण किया गया।

महिला-बाल विकास मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में स्वामित्व योजना में लोगों को योजना का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इस महत्वकांक्षी योजना के माध्यम से भूमि और संपत्ति के रिकार्ड डिजिटलीकरण एवं मालिकाना हक का लाभ

अधिक से अधिक लोगों को प्राप्त होगा। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि संपत्ति कार्ड से कई प्रकार की परेशानियों का हल हो सकेगा। उन्होंने स्वामित्व योजना के लाभार्थियों को शुभकामनाएं देकर निरन्तर विकास के पथ पर अग्रसर रहने की कामना की। मंत्री सुश्री भूरिया ने कार्यक्रम में स्वच्छ भारत एवं नशा मुक्त भारत की शपथ दिलायी।

कलेक्टर नेहा मीना ने बताया कि स्वामित्व योजना अंतर्गत जिले में ड्रोन फ्लॉय ग्रामों की कुल संख्या 396, अधिकार अभिलेख तैयार किए गए कुल ग्रामों की संख्या 334, पूर्व वितरित ग्रामों की संख्या 284, जिनमें कुल 15 हजार 142 अधिकार अभिलेख वितरित किए गए हैं। कलेक्टर ने कहा कि प्रतीकात्मक रूप से कुछ हितग्राहियों को स्वामित्व कार्ड दिये जा रहे है, शेष हितग्राहीयों को पृथक से एवं ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यक्रम कर और घर-घर जाकर वितरण किया जाएगा।

कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री भास्कर गाचले, डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार एवं बढ़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित रहे।

स्वामित्व योजना में निवाड़ी जिले के 10 हजार 700 हितग्राही हुए लाभान्वित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण एवं निवाड़ी जिले के प्रभारी मंत्री श्री नारायन सिंह कुशवाह स्वामित्व योजना सम्पत्ति कार्ड वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। स्वामित्व योजना में निवाड़ी जिले के 10 हजार 700 पात्र हितग्राहियों को भूमि स्वामी अधिकार अभिलेखों का वितरण किया गया। इस अवसर पर विधायक निवाड़ी श्री अनिल जैन, कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़, पुलिस अधीक्षक डॉ. राय सिंह नरवरिया, जन-प्रतिनिधि, अधिकारी एवं हितग्राही उपस्थित रहे।

समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन हेतु पंजीयन 20 जनवरी से 31 मार्च तक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। रबी विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये किसान पंजीयन प्रक्रिया का निर्धारण कर दिया गया है। किसान 20 जनवरी से 31 मार्च तक पंजीयन करा सकते हैं। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने किसानों से आग्रह किया है कि निर्धारित समय में पंजीयन करा लें, जिससे किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो। उन्होंने बताया है कि किसान पंजीयन की व्यवस्था को सहज और सुगम बनाया गया है। किसान स्वयं के मोबाईल से एम.पी. किसान एप के माध्यम से घर बैठे पंजीयन कर सकेंगे। किसानों को पंजीयन केन्द्रों में लाईन लगाकर पंजीयन कराने की समस्या से मुक्ति मिलेगी। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 के लिये गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2425 रुपये घोषित किया गया है। यह गत वर्ष से 150 रुपये अधिक है। पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर, तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र और एम.पी. किसान एप पर भी की गई है। पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था एम.पी. ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर कियोस्क, लोक सेवा केन्द्र और निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर की गई है। इन केन्द्रों पर पंजीयन के लिये शुल्क राशि प्राप्त करने के संबंध में कलेक्टर निर्देश जारी करेंगे। प्रति पंजीयन के लिये 50 रूपये से अधिक शुल्क निर्धारित नहीं किया जाएगा। किसान पंजीयन के लिए भूमि संबंधी दस्तावेज़ एवं किसान के आधार कार्ड एवं अन्य फोटो पहचान पत्रों का समुचित परीक्षण कर उनका रिकार्ड रखा जाना अनिवार्य होगा। सिकमी, बटाईदार, कोटवार एवं वन पट्टाधारी किसान के पंजीयन की सुविधा केवल सहकारी समिति एवं सहकारी विपणन सहकारी संस्था ?द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्रों पर उपलब्ध होगी। इस श्रेणी के शत-प्रतिशत किसानों का सत्यापन राजस्व विभाग द्वारा किया जाएगा। पूर्व वर्षों की किसी अपात्र संस्था में केन्द्र प्रभारी एवं ऑपरेटर को किसी अन्य संस्था में पंजीयन के लिए नहीं रखा जायेगा।

किसान द्वारा समर्थन मूल्य पर विक्रय उपज का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर किसान के आधार लिंक बैंक खाते में किया जाएगा। किसान के आधार लिंक बैंक खाते में भुगतान करने में किसी कारण से समस्या उत्पन्न होने पर किसान ?द्वारा पंजीयन में उपलब्ध कराये गए बैंक खाते में भुगतान किया जा सकेगा। किसान पंजीयन के समय किसान को बैंक खाता नंबर और ड्डस्नस्ष्ट कोड की जानकारी उपलब्ध करानी होगी। अक्रियाशील बैंक खाते, संयुक्त बैंक खाते एवं फिनो, एयरटेल, पेटीएम, बैंक खाते पंजीयन में मान्य नहीं होंगे। पंजीयन व्यवस्था में बेहतर सेवा प्राप्त करने के लिए यह जरूरी होगा कि किसान अपने आधार नंबर से बैंक खाता और मोबाईल नंबर को लिंक कराकर उसे अपडेट रखें।

मजबूत हुई मप्र के स्कूलों की बुनियाद, स्कूलों की संख्या में देश में दूसरा स्थान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सरकारी स्कूलों में आदर्श अधोसंरचना स्थापित करने में मध्यप्रदेश ने निजी क्षेत्र की बराबरी कर ली है और कई मामलों में पीछे छोड़ दिया है। केन्द्र सरकार द्वारा हाल में जारी यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इनफॉरमेशन सिस्टम (यूडीआई) फॉर एजुकेशन प्लस रिपोर्ट में देश के सरकारी स्कूलों की अधोसंरचना पर जारी रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आया है। रिपोर्ट में सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त, निजी और अन्य स्कूलों में 2014 की स्थिति और वर्तमान स्थिति का तुलनात्मक आकलन किया गया है।

रिपोर्ट में स्कूलों में पेयजल की व्यवस्था, बेटियों के लिए शौचालय व्यवस्था, बच्चों के लिए अलग शौचालय, हाथ धोने की सुविधा, विद्युत कनेक्शन, लाइब्रेरी सुविधा, खेल मैदान, चिकित्सीय परीक्षण की

सुविधा, कंप्यूटर की उपलब्धता, इंटरनेट सुविधा, दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए हैंडरेल समेत रैंप, टॉयलेट की सुविधा, किचन गार्डन रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और सोलर ऊर्जा सिस्टम जैसी अधोसंरचनात्मक व्यवस्थाओं का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। इसमें मध्यप्रदेश के स्कूलों का बेहतर प्रदर्शन प्रदर्शित हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को उत्कृष्ट राज्य बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर कार्ययोजना और रणनीतियां बनाने के निर्देश दिये हैं।

उल्लेखनीय है कि भारतीय स्कूल शिक्षा व्यवस्था दुनिया में सबसे बड़ा शिक्षा नेटवर्क है। इसमें 14 लाख 72 हजार स्कूल है, जिसमें 98 लाख से ज्यादा शिक्षक हैं और प्राथमिक से सेकेंडरी स्तर तक 24.8 करोड़ विद्यार्थी पढ़ रहे हैं जो विभिन्न सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि से आते हैं।स्कूलों के इस विशाल डाटाबेस के प्रबंधन के लिए केन्द्र सरकार ने यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फॉरमेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस बनाया है। इसमें स्कूलों से संबंधित आंकड़ों को ऑनलाइन अपलोड किया जाता है। कई स्तरों पर आंकड़ों की शुद्धता का परीक्षण किया जाता है। यह कार्य ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर होता है। यह वन नेशन-वन डाटाबेस की अवधारणा है।रिपोर्ट के अनुसार मध्यप्रदेश में सरकारी, निजी और सरकारी सहायता प्राप्त 1,23,412 स्कूल हैं, जिनमें एक करोड़ 53 लाख 61 हजार 543 विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। इन स्कूलों में शिक्षकों की संख्या 6 लाख 39 हजार 525 है। इनमें सरकारी स्कूल 92,439 हैं और सरकारी सहायता प्राप्त 581 और निजी 28,910 और अन्य 1482 हैं।

सीधी के व्यापारी को मिला अंतरराष्ट्रीय सम्मान

अमेरिका के 158 साल पुराने विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि मिली

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। व्यापारी संघ अध्यक्ष बद्री प्रसाद गुप्ता को अमेरिका के प्रतिष्ठित कैडर ब्रुक विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया है। यह उपाधि उन्हें शिक्षा और सामाजिक कार्य के क्षेत्र में उनके सराहनीय योगदान के लिए प्रदान की गई है।

व्यापारी गुप्ता कुसमी क्षेत्र के रहने वाले हैं। जिले के पहले व्यक्ति हैं, जिन्हें अमेरिकी विश्वविद्यालय से यह प्रतिष्ठित उपाधि मिली है। उन्हें यह सम्मान दिल्ली में प्रदान किया गया। वर्तमान में वे रायपुर स्थित कर्मप्रथम चैरिटेबल फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक के रूप में भी कार्यरत हैं।

प्राथमिक शिक्षा की सरस्वती शिशु मंदिर से शुरुआत हुई: बद्री प्रसाद की शिक्षा सरस्वती शिशु मंदिर कुसमी से प्रारंभ हुई, फिर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुसमी से 12वीं की। उन्होंने रीवा के ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय से स्नातक और भोपाल से विधि की शिक्षा प्राप्त की। कुछ समय रायपुर में नौकरी करने के बाद अब वे अपना व्यवसाय संभाल रहे हैं।

समाज सेवा के क्षेत्र में गुप्ता की भूमिका सराहनीय रही है। वे कुसमी क्षेत्र में मंदिरों के जीर्णोद्धार में सक्रिय भूमिका निभाते हैं और पूजा-अर्चना का खर्च स्वयं वहन करते हैं। सर्दियों में गरीबों को निःशुल्क वस्त्र वितरण से लेकर जरूरतमंदों की मदद में भी वे सदैव अग्रणी रहे हैं। उनके इन्हीं सामाजिक कार्यों को देखते हुए उन्हें यह अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुआ है।

सिंगरौली के छात्र का तीरंदाजी में पहला स्थान

फंड और मैदान न होने के बावजूद भी 50 बच्चे डेली ले रहे ट्रेनिंग

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली में खेल सुविधाओं की कमी के बावजूद तीरंदाजी में नए कीर्तिमान बनाए जा रहे हैं। इटारसी में आयोजित राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता के चयन में सिंगरौली के 15 वर्षीय अवनीश कुमार ने जूनियर कैटेगरी में पहला स्थान हासिल किया है।

जिले में खेल सुविधाओं का अभाव: बातचीत में अवनीश ने बताया कि उनका सपना राष्ट्रीय स्तर पर खेलने का है। उन्होंने कहा कि यहां खेल सुविधाओं का अभाव है और बाहर प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों को अपने खर्चे स्वयं वहन करने पड़ते हैं। सिर्फ कोच से ही उन्हें सहायता मिलती है।

तीरंदाजी के लिए मैदान नहीं: कृति देव ने बताया कि यहां पर जिला तीरंदाजी प्रतियोगिता संगठन है। लेकिन उसमें किसी भी तरह से फंड की कोई व्यवस्था नहीं है। जिसकी वजह से दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने यह भी बताया कि यहां व्यवस्थित तरीके से तीरंदाजी प्रशिक्षण के लिए कोई खेल मैदान भी नहीं है।

नगर निगम में अस्थायी तौर पर सामुदायिक भवन के बगल में खाली पड़ी इस जमीन को प्रशिक्षण के लिए दिया है, जो तीरंदाजी प्रतियोगिता के लिए पर्याप्त नहीं है। फिर भी प्रयास कर रहे हैं कि सिंगरौली को नंबर वन बनाएं। यहां हर रोज बच्चों को हफ्ते में 6 दिन प्रशिक्षण दिया जाता है। दिक्कत तब होती है जब सामुदायिक भवन में कोई कार्यक्रम होता है तो उन्हें खेलने के लिए मैदान भी नहीं रहता।

कृति देव बच्चों को दे रहे प्रशिक्षण: सिंगरौली में तीरंदाजी का प्रशिक्षण लगभग साढ़े तीन साल पहले कृति देव वैश्य ने शुरू किया था। वर्तमान में वे 50 से अधिक बच्चों को प्रशिक्षित कर रहे हैं। कृति देव अपनी प्राइवेट नौकरी से बचाए गए पैसों से इस खेल को चला रहे हैं। जो बच्चे दे सकते हैं, उनसे थोड़ी बहुत फीस ली जाती है। उनके लिए सबसे बड़ी खुशी तब मिलती है जब उनके प्रशिक्षित बच्चे राज्य स्तर पर शीर्ष स्थान प्राप्त करते हैं।

रेत से भरा ट्रैक्टर जब्त, पुलिस को चालक वैध दस्तावेज नहीं दिखा पाया

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। देवलौंद पुलिस ने अवैध रेत परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर को जब्त किया है। पुलिस ने ट्रैक्टर चालक और मालिक अजय द्विवेदी के खिलाफ खनिज अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। दरअसल, सुखाड़ रेत जांच नाका के पास से पकड़े गए ट्रैक्टर चालक राम सुशील कोल के पास वैध दस्तावेज नहीं मिले थे। पूछताछ में चालक ने बताया कि वह सोन घड़ियाल के पास स्थित नदी से रेत लेकर आया था।

गौरतलब है कि दो दिन पहले भी देव-लौंद पुलिस ने एक अवैध रेत से लदे ट्रैक्टर को जब्त किया था। जिले में अवैध रेत खनन का कारोबार लगातार जारी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि खनिज विभाग की मिलीभगत से यह अवैध कारोबार फल-फूल रहा है। पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है, लेकिन खनिज विभाग की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। जिले के अलग-अलग हिस्सों में दिन-रात अवैध रेत का खनन और परिवहन जारी है, जिससे राजस्व को भारी नुकसान हो रहा है।

बेटे की शादी पक्की करने निकले पिता की मौत, कोयले से लोड ट्रक से कुचला, रिश्तेदार गंभीर घायल

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल में अपने पुत्र की शादी पक्की करने जा रहे पिता की रविवार दोपहर सड़क हादसे में मौत हो गई है, वहीं साथी बाइक सवार गंभीर रूप से घायल है। इस बाद दोनों ही परिवार में गम का माहौल है।

जानकारी के अनुसार गोहपारू थाना क्षेत्र के लौड़ी गांव के रहने वाले रामनरेश अपने रिश्तेदार के साथ बाइक में सवार होकर करकी गांव जा रहा था। तभी बीच रास्ते में जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के फॉरेस्ट रेस्ट हाउस के सामने कोयले से लोड ट्रक ने उसे रौंद दिया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई है।

बाइक सवार दूसरा व्यक्ति गंभीर घायल है। बताया गया कि रामनरेश अपने पुत्र की ओली डालने अपनी होने बाली बहू के घर जा रहा था। तभी रास्ते में यह दर्दनाक हादसा हो गया और रामनरेश की मौके पर मौत हो गई।

परिवार के लोगों ने पुलिस को बताया कि ओली डालने के लिए परिवार के अन्य सदस्य भी जा रहे थे, जो चार पहिया वाहन में सवार थे। चार पहिया वाहन में जगह न होने की वजह से पिता रामनरेश ने अपने एक रिश्तेदार के साथ बाइक से करकी के लिए रवाना हुआ था और रास्ते में यह घटना घट गई। घटना के बाद पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है। वही चालक मौके से फरार है।

फुटबॉल टूर्नामेंट में केरल-मुंबई की टीमों के बीच विवाद, मंत्री-विधायकों की मौजूदगी में मैदान में अफरातफरी

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले में आयोजित अखिल भारतीय गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मैच में केरल और मुंबई की टीम के खिलाड़ी आपस में भिड़ गए। धनपुरी नगरपालिका की ओर से आयोजित इस अंतर्राज्यीय टूर्नामेंट में सांई सेंटर कोल्लम केरल और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया स्पोर्ट्स क्लब मुंबई की टीमें आमने-सामने थीं।

मैच के दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच किसी मुद्दे को लेकर तनाव पैदा हो गया। मैच खत्म होने के बाद खिलाड़ी आपस में भिड़ गए। इस दौरान सुभाष स्टेडियम में भाजपा मंत्री और कई विधायकों भी मौजूद थे।

मैदान में उपस्थित पुलिस बल ने दोनों पक्षों को शांत कराया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें खिलाड़ियों के बीच हुई झड़प साफ देखी जा सकती है।

चोरी गए 3 लाख के जेवरात बरामद

सोनार दंपती समेत 3 गिरफ्तार, पुलिस ने छह महीने बाद पकड़े आरोपी

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अनूपपुर कोतवाली पुलिस ने रविवार को चोरी के मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने तीन लाख रुपए के चोरी हुए सोने-चांदी के जेवरात बरामद कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला 11 अगस्त का है, जब दीपक सोनी अपने परिवार के साथ मैहर दर्शन गए थे।

पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी 21 वर्षीय सोनू सिंह ने घर का ताला तोड़कर वारदात को अंजाम दिया। चोरी के माल को खरीदने में शामिल सोनार राजेश सोनी (48 वर्ष) और उनकी पत्नी सुधा सोनी (45 वर्ष) को भी गिरफ्तार किया गया है। बरामद किए गए जेवरात में पायल, पाजेब, करधन, हाथ की मेहंदी, बच्चों के चूड़े, गले की चेन, ब्रेसलेट, कंगन और सोने के कान के टॉप्स शामिल हैं। कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद जैन के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने धारा 331(4) और 305(ए) के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान ने इस मामले में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की है। पुलिस के अनुसार वारदात में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

6 घंटे में 204 बदमाश पकड़ाए, 64 वारंटी और गांजा तस्कर भी हुए गिरफ्तार, आबकारी एक्ट में केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली में 300 से अधिक पुलिसकर्मियों ने शनिवार रात 12 बजे से सुबह 6 बजे तक विशेष अभियान चलाया। इस दौरान कुल 204 बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस ने 64 वारंटी अपराधियों को गिरफ्तार किया, जिन्हें न्यायालय में पेश किया जाएगा। इसके अलावा 77 निगरानी बदमाश और 59 गुंडा बदमाशों की जांच की गई। इस कार्रवाई में 4 आबकारी एक्ट के मामले भी दर्ज किए गए।

विंध्य-नगर थाना पुलिस ने राम बच्चन प्रजापति को नवजीवन विहार से गिरफ्तार कर डेढ़ किलो गांजा और एक नाग गंज का पौधा बरामद किया। सरई थाना पुलिस ने गुलाब सिया देवी जायसवाल से 300 ग्राम गांजा जब्त किया। इस विशेष अभियान में पुलिस ने शहर और कस्बों के एटीएम और बैंकों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

सुरक्षा उपकरणों और गार्ड्स की जांच के साथ रात में संदिग्ध रूप से घूमने वालों पर भी कार्रवाई की गई। एसपी मनीष खत्री ने बताया कि इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य अपराधियों में पुलिस का खौफ पैदा करना और जनता में विश्वास बढ़ाना है। इस अभियान में विंध्यनगर थाना प्रभारी अर्चना द्विवेदी, बैंढ़न थाना प्रभारी अशोक सिंह परिहार और नवानगर थाना प्रभारी सहित ग्रामीण अंचलों के सभी थाना और चौकी प्रभारी शामिल रहे।

अवैध हथियार फैक्ट्री पर छापा, 5 आरोपी गिरफ्तार, पिस्टल, देसी कट्टे समेत 25 तरह के हथियार बनाने के उपकरण जब्त

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर पुलिस ने अवैध हथियारों के निर्माण और बिक्री के एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश किया है। सिविल लाइन और बमीठा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें फैक्ट्री का मुख्य संचालक बबलू विश्वकर्मा भी शामिल है।

पुलिस अधीक्षक अगम जैन के अनुसार, 17 जनवरी को चंद्रपुरा बस स्टॉप से जितेंद्र कुशवाहा को एक देसी कट्टा और दो कारतूस के साथ पकड़ा गया। पूछताछ में उसने हथियार की आपूर्ति का स्रोत जितेंद्र कुशवाहा (सादनी निवासी) को बताया। आगे की जांच में संदीप सेन का नाम सामने आया, जिसे दो 32 बोर की पिस्टल और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया।

जांच में यह भी खुलासा हुआ कि अवैध हथियार फैक्ट्री के संचालक बबलू विश्वकर्मा के खिलाफ छतरपुर और पन्ना में पहले से ही डकैती सहित 4 आपराधिक मामले दर्ज हैं। हथियारों के विक्रेता संदीप सेन भी पूर्व में अवैध हथियारों के मामलों में संलिप्त रहा है।

पुलिस ने छापेमारी में 2 पिस्टल, 3 देसी कट्टे, एक अधबना देसी कट्टा, कारतूस और हथियार बनाने के 25 तरह के उपकरण और सामग्री जब्त की है। सभी आरोपियों के खिलाफ आयुध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

ज्वेलरी शॉप से चोरी, आरोपी गुना से गिरफ्तार, 11 लाख के चांदी के जेवर बरामद

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर पुलिस ने बमीठा कस्बे में हुई ज्वेलरी शॉप में चोरी का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने गुना से एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से चोरी किए गए 3 किलो चांदी के जेवरात और घटना में इस्तेमाल किया गया वाहन बरामद हुआ है। कुल बरामदगी की कीमत लगभग 11 लाख रुपए है।

पुलिस अधीक्षक अगम जैन ने बताया कि 11 जनवरी को बमीठा कस्बे में एक ज्वेलरी और बर्तन की दुकान में चोरी हुई थी। दुकान के मालिक रामकुमार सोनी की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि चोर गुना-शिवपुरी की तरफ भागे हैं।

पुलिस की टीम ने गुना में छापेमारी कर दो संदिग्धों को पकड़ा। पूछताछ में भगत सिंह कॉलोनी गुना के रहने वाले सत्येंद्र रघुवंशी ने चोरी की बात कबूल कर ली। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने चांदी के आभूषण जैसे कमरबंद, पायल, कंगन और बिछिया बरामद किए। उसने बताया कि वह पहले दुकान के बाहर घूमकर रेकी करता था, जिसके बाद चोरी की प्लानिंग बनाई।

आरोपी ने स्वीकार किया है कि इस चोरी में कुछ और लोग भी शामिल हैं, जिनकी तलाश जारी है। पुलिस ने आरोपी सत्येंद्र को न्यायालय में पेश किया है।

यह मामला दर्शाता है कि पुलिस की त्वरित कार्रवाई से अपराधियों को जल्द पकड़ा जा सकता है।

दुष्कर्म के आरोपी को 10 साल की सजा, शादी का झांसा देकर युवती से बनाए शारीरिक संबंध

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर निवासी निखिल उर्फ सोनू बुनकर को सत्र न्यायाधीश ने 10 साल के कठोर कारावास और 5 हजार रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई है। आरोपी पर एक कॉलेज छात्रा के साथ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप था।

दरअसल, पीड़िता किराए के कमरे में रहकर कॉलेज में पढ़ाई कर रही थी। नवंबर 2018 में आरोपी, जिससे उसकी तीन साल से जान-पहचान थी, शहडोल में काम होने का बहाना बनाकर उसके कमरे में रुका। रात में आरोपी ने पीड़िता के साथ जबरन रेप किया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी।

इसके बाद शादी का वादा करके आरोपी ने कई बार पीड़िता के साथ शारीरिक संबंध बनाए। जब पीड़िता गर्भवती हुई, तो आरोपी ने शादी करने से इनकार कर दिया। पीड़िता ने 4 जनवरी 2021 को कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया। न्यायालय ने आरोपी को मामले में दोषी पाते हुए 10 साल की सजा सुनाई है। साथ ही आरोपी को 5 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित भी किया है।

अज्ञात वाहन ने कार को मारी टक्कर, तीन की मौत

सभी यात्री तेलंगाना से झांसी एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना के अमानगंज थाना क्षेत्र के इटौरी मोड़ के पास रविवार को एक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना में एक तेज रफ्तार कार को अज्ञात वाहन से टक्कर मारी थी। हादसे में दो लोगों ने मौके पर दम तोड़ दिया था। एक की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। जहां पर दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने मृतकों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है।

बताया जा रहा है कि दुर्घटनाग्रस्त कार में बैठे सभी यात्री तेलंगाना के रहने वाले थे, जो झांसी में एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान एक तेज

गहोई समाज का तीन दिवसीय कार्यक्रम शुरू

पहले दिन निकली शोभायात्रा, 19 से 21 जनवरी तक होंगे कई कार्यक्रम

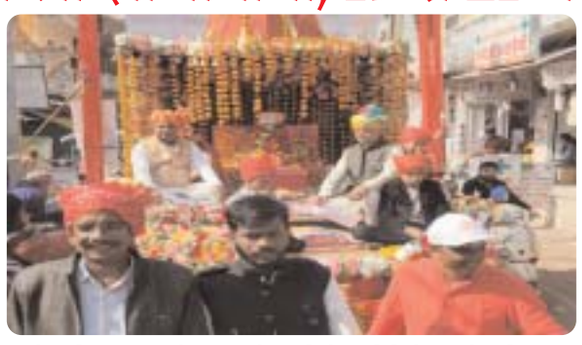

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में गहोई समाज के तीन दिवसीय भव्य कार्यक्रम का आगाज रविवार को शोभायात्रा के साथ हुआ। बुंदेलखंड गैरिज से शुरू हुई यह यात्रा बस स्टैंड, हटवाड़ा और चौक बाजार होते हुए गहोई धाम कृष्ण विहार शंकर कॉलोनी पहुंची।

शोभायात्रा में लड्डू गोपाल का रथ मुख्य आकर्षण रहा, जिसे स्थानीय लोगों ने खींचा। भक्तिमय माहौल में महिलाओं और पुरुषों ने धार्मिक धुनों पर नृत्य किया। मार्ग में जगह-जगह पुष्प वर्षा के साथ शोभायात्रा का स्वागत किया गया।

19 से 21 जनवरी तक होगा आयोजन: नगर गहोई वैश्य समाज के जिला अध्यक्ष प्रेम नारायण रूसिया ने बताया कि 19 से 21 जनवरी तक चलने वाले इस आयोजन में विविध कार्यक्रम होंगे। पहले दिन ध्वजारोहण, दीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुई। शाम 6 बजे सामूहिक विवाह महायज्ञ का आयोजन गहोई धाम सारणी दरवाजा में किया गया।

कार्यक्रम में मुंबई से प्रभा अशोक नगरिया, इंदौर से पूर्व अध्यक्ष अनिल खारिया, झांसी से संदीप सरावगी और ग्वालियर से राजीव खंताल विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। दूसरे दिन रंगोली प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता और बुंदेली तू-तू मैं-मैं प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में गहोई दिवस आयोजन समिति छतरपुर, नगर गहोई वैश्य समाज, गहोई महिला मंडल, गहोई नवयुवक मंडल और गहोई यूथ क्लब छतरपुर की सक्रिय भागीदारी रहेगी।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम राजेश कुमार पुरवार S/O स्वर्गीय लालमणि गुप्ता है। मेरे आधार कार्ड जिसका नंबर 6435 2935 6693 है, में मेरा नाम राजेश गुप्ता अंकित है, जो कि गलत है। जबकि अन्य सभी अभिलेखों व सरकारी रिकॉर्ड में मेरा सही नाम राजेश कुमार पुरवार दर्ज है। अतः मुझे मेरे सही नाम राजेश कुमार पुरवार से जाना, समझा व पढ़ा जाए।

सूचनादाता
राजेश कुमार पुरवार
पता- वार्ड नंबर 19, कॉलेज रोड, मानस भवन रीवा

विचार

ड्रोन, कैमरे, एआई समेत तमाम सुरक्षा के व्यापक इंतजाम

प्रयागराज के त्रिवेणी संगम का समूचा इलाका अब कुंभ मेले से गुलजार हो चुका है और पहले दिन वहां से लगभग डेढ़ करोड़ लोगों के स्नान करने की खबर आई। मेला स्थल के आसपास एक बड़े हिस्से में जितनी तादाद में तंबू लगाए गए हैं, उसमें इतनी बड़ी संख्या में लोगों के टिकने की व्यवस्था है, जो किसी शायद किसी छोटे देश की आबादी से भी ज्यादा हो। जाहिर है, इसके साथ ही सबसे बड़ी चुनौती और जिम्मेवारी सरकार के सामने है कि वह इस मेले में व्यवस्थागत इंतजामों के मोर्चे पर कितनी चौकस है और वहां पहुंचने वाले लोगों को कितनी सुविधा होती है। यों, करीब डेढ़ महीने तक चलने वाले कुंभ मेले को ज्यादा से ज्यादा सहज बनाने के लिए हर स्तर पर बेहतर व्यवस्था करने की जैसी खबरें आई हैं, उससे उम्मीद बंधती है कि इस बार साधु-संतों से लेकर श्रद्धालुओं तक को कोई दिक्कत नहीं होगी। फिर भी करोड़ों लोगों की मौजूदगी की वजह से जैसे हालात पैदा होंगे, उसमें सब कुछ को ठीक बनाए रखने के लिए हर स्तर पर बहुत ज्यादा चौकसी की जरूरत होगी।

इसके मद्देनजर इस बार सरकार ने न केवल प्रशासनिक स्तर पर भीड़ प्रबंधन को लेकर बेहतर तौर-तरीके आजमाने का दावा किया है, बल्कि लोगों की सुरक्षा और सेहत की देखभाल के लिए आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल भी हर जगह किया गया है। मसलन, पिछले कुछ समय से सुर्खियों में आई कृत्रिम मेधा यानी एआइ मेले की व्यवस्था को कई स्तर पर सहज और सुरक्षित बनाने में मददगार साबित हो रही है।

बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ के प्रबंधन के लिए एआइ से लैस कैमरे, ड्रोन और मोबाइल ऐप से निगरानी का सहारा लिया जाएगा। इसके अलावा, प्रशासनिक चौकसी के बीच ड्रोन शो के साथ-साथ आभासी तकनीकी के जरिए गंगा आरती और दूसरे कार्यक्रमों को देखने की भी सुविधा है, ताकि अराजकता जैसी स्थिति न पैदा हो। कहा जा सकता है कि करोड़ों लोगों की कुंभ यात्रा को कामयाब बनाने के लिए सरकार और प्रशासन ने मोर्चा थामा हुआ है, मगर यह भी सच है कि आपात स्थिति का अंदाजा किसी को नहीं होता और पूर्व तैयारी की जरूरत इसीलिए होती है।

यह जगजाहिर हकीकत रही है कि धार्मिक स्थलों पर किसी छोटी लापरवाही से कई बार जैसी अव्यवस्था उत्पन्न हो जाती है, उसका लोगों को बड़ा खमियाजा उठाना पड़ता है।

युद्ध विराम समझौते का ईमानदारी से पालन जरूरी

ललित गर्ग

यह शांतिपूर्ण विश्व संरचना के लिये सुखद ही है कि करीब डेढ़ वर्ष से जारी इस्राइल-हमास संघर्ष खत्म करने के लिये युद्धविराम पर सहमति बन गई है। लेकिन इस एवं ऐसे युद्धों ने ऐसे अनेक ज्वलंत प्रश्न खड़े किये हैं कि जब युद्ध की अन्तिम निष्पाि टेबल पर बैठकर समझौता करना ही है तो यह युद्ध के प्रारंभ में ही यों नहीं हो जाता? युद्ध भीषणतम तबाही, असंय लोगों की जनहानि एवं सर्वनाश का कारण बनता है तो ऐसी तबाही होने ही यों दी जाये? खेर देर आये दुरस्त आये, इजराइल और हमास ने बुधवार को युद्ध विराम समझौते के पहले मसौदे पर सहमति जताई, जो संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में अब तक का सबसे बड़ा एवं अहम कदम है। अन्य बातों के अलावा, 60-दिवसीय युद्ध विराम प्रक्रिया में दोनों पक्षों के बंधकों को रिहा करना, सहायता बढ़ाना, नष्ट हो चुके फिलिस्तीन का पुनर्निर्माण करना और हमलों को रोकना शामिल होगा।

डेढ़ साल से अधिक समय के युद्ध के बाद, युद्ध विराम फिलिस्तीन के लोगों तथा हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों के लिए बहुत जरूरी राहत है। इसी तरह रूस एवं यूक्रेन के बीच लम्बे समय से चल रहा युद्ध भी समाप्त हो, यह शांतिपूर्ण उन्नत विश्व संरचना के लिये नितांत अपेक्षित है। क्योंकि ऐसे युद्धों से युद्धरत देश ही नहीं, समूची दुनिया पीड़ित, परेशान एवं प्रभावित होती है। इस तरह युद्धरत बने रहना खुद में एक असाधारण और अति-संवेदनशील मामला है, जो समूची दुनिया को विनाश एवं विध्वंस की ओर धकेलने देता है। ऐसे युद्धों में वैसे तो जीत किसी की भी नहीं होती, फिर भी इन युद्धों का होना विजेता एवं विजित दोनों ही राष्ट्रों को सदियों तक पीछे धकेल देता, इससे भौतिक हानि के अतिरिक्त मानवता के अपाहिज और विकलांग होने के साथ बड़ी जनहानि का भी बड़ा कारण बनता है।

इस्राइल-हमास में पिछले डेढ़ साल से चल रहे युद्ध के विराम को एक अहम कामयाबी माना जा रहा है। भले ही इस समझौते के लिये अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के बीच संघर्ष समाप्ति का श्रेय लेने की होड़ हो, लेकिन गाजा के लोग जिस मानवीय त्रासदी से जूझ रहे थे, उन्हें जरूर इससे बड़ी राहत मिलेगी। संयुक्त राष्ट्र के तमाम प्रयासों व मध्यपूर्व के इस्लामिक देशों एवं भारत की बार-बार की गई पहल के बावजूद अब तक शांति वार्ता सिरे न चढ़ सकी थी। जिसकी कीमत करीब पचास हजार लोगों ने अपनी जान देकर चुकायी। इस युद्ध से गाजा के विभिन्न क्षेत्रों में जो तबाही हुई है, उससे उबरने में दशकों लग सकते हैं।

निस्संदेह, इस्राइल व हमास के बीच युद्ध विराम पर सहमति होना महत्वपूर्ण है, लेकिन जब तक समझौता यथार्थ में लागू होता न नजर आए, तब कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। संघर्ष में वास्तव में हमास के कितने लड़ाके मारे गए यह कहना कठिन है, लेकिन बड़ी संख्या में बच्चों-महिलाओं ने युद्ध में जान गवांई। एक अनुमान के अनुसार गाजा संघर्ष में उपजी मानवीय त्रासदी में करीब बीस लाख लोग विस्थापित हुए हैं। इस्राइली हमलों में अस्पताल-स्कूल भी निशाना बने, जिन्हें शरणार्थियों की सुरक्षित पनाहगाह माना जाता है। इस्राइल पर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में युद्ध अपराध तक के आरोप लगाए गए। बहरहाल, जब लंबे समय के बाद शांति की स्थितियां बन रही हैं तो विश्व समुदाय, शक्तिशाली राष्ट्रों व संयुक्त राष्ट्र का दायित्व बनता है कि समझौते की शर्तों को साफ नियत एवं नीति से क्रियान्वित किया जाये। ताकि मध्यपूर्व में स्थायी शांति एवं अमनचैन की राह मजबूत हो सके। निश्चित रूप से युद्ध शांति का विकल्प नहीं हो सकता। इस संघर्ष की शुरुआत भले हमास ने की हो, लेकिन इसकी सबसे बड़ी कीमत उन लोगों ने चुकाई, जो इसके लिये जिम्मेदार नहीं थे।

युद्ध के आघात से युद्धरत देशों के साथ समूची दुनिया प्रभावित हुई है। युद्ध के आघात से तात्पर्य युद्ध के दौरान होने वाली दर्दनाक घटनाओं के परिणामस्वरूप व्यक्तियों द्वारा अनुभव किए जाने वाले मनोवैज्ञानिक संकट और शारीरिक-भावनात्मक पीड़ा से है, जैसे कि हिंसा का शिकार होना, दूसरों को नुकसान पहुंचाना, या संघर्ष के कारण प्रियजनों को खोना। युद्ध सामाजिक विश्वास को तोड़ता है, सामाजिक सामंजस्य को कम करता है और सामाजिक एवं राष्ट्रीय पूंजी को नुकसान पहुंचाता है। सशस्त्र संघर्ष के बाद, समाज उपसमूहों में गहराई से विभाजित हो जाता है जो युद्ध विराम के समझौते के बावजूद बाद के दौर में एक दूसरे से डरते हैं और नफरत करते हैं और लड़ाई जारी रखने के लिए तैयार रहते हैं। युद्ध के आघात से पीड़ित लोगों में अक्सर दूसरे पक्ष के साथ मेल-मिलाप करने और शांतिपूर्ण समाधान खोजने की इच्छा कम हो जाती है। कमजोर नागरिक समाज और कम सरकारी क्षमताएं लोगों को बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ बना सकती हैं और राज्य के बिगाड़ने वालों या राजनीतिक विरोधियों द्वारा आसानी से हेरफेर किया जा सकता है। यह स्थिति अक्सर हिंसा के निरंतर चक्रों के लिए मंच तैयार करती है।

हालांकि, अक्तूबर, 2023 में हमास के हमले से आहत इस्राइल कई मोर्चों पर लगातार युद्ध से थक चुका है, लेकिन अभी भी अरब जगत उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहा है। ऐसी आशंका इसीलिए भी है कि कई बार बातचीत अंतिम दौर पर पहुंचते-पहुंचते पटरी से उतरती गई है। बात और घात लगातार चलते रहे हैं। अब भविष्य में देखना होगा कि दोनों पक्ष समझौते के अमल के प्रति कितनी ईमानदारी से प्रतिबद्ध नजर आते हैं। हालांकि, अपने बंधकों की जल्द रिहाई को लेकर इस्राइल के विपक्षी राजनीतिक दलों व मंत्रिमंडल में भी मतभेद उभर रहे हैं, लेकिन इतनी लंबी लड़ाई के बाद थक चुकी इस्राइली सेना को भी राहत देने की मांग की जाती रही है। बहरहाल, युद्ध विराम के प्रश्न पर इस्राइल व हमास के बीच सहमति से शांति की उम्मीदें प्रबल हुई हैं। जहां एक ओर अमेरिका में वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन व नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समझौते के लिए श्रेय ले रहे हैं, वहीं ईरान इसे फलस्तीनी प्रतिरोध की जीत बता रहा है।

अभी गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को भी दूर किया जाना है। दरअसल, सात अक्तूबर 2023 को हमास के क्रूर हमलों में इस्राइल के बारह सौ लोग मारे गए थे और करीब ढाई सौ लोगों को हमास के लड़ाके सौदेबाजी के लिये बंधक बनाकर ले गए थे। साफ था कि इस अपमानजक घटना का इस्राइल प्रतिशोध लेगा, लेकिन संघर्ष करीब डेढ़ वर्ष तक चलेगा, इसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। हालांकि, कुछ इस्राइली बंधक रिहा किए गए, कुछ युद्ध के बीच मारे गए, लेकिन बचे बंधकों की रिहाई का भारी दबाव नेतन्याहू सरकार पर लगातार बना रहा। संघर्ष में वास्तव में हमास के कितने लड़ाके मारे गए यह कहना कठिन है, लेकिन बड़ी संख्या में बच्चों-महिलाओं ने युद्ध में जान गवांई। एक अनुमान के अनुसार गाजा संघर्ष में उपजी मानवीय त्रासदी में करीब बीस लाख लोग विस्थापित हुए हैं। इस्राइली हमलों में अस्पताल-स्कूल भी निशाना बने, जिन्हें शरणार्थियों की सुरक्षित पनाहगाह माना जाता है। इस्राइल पर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में युद्ध अपराध तक के आरोप लगाए गए। निश्चित रूप से युद्ध शांति का विकल्प नहीं हो सकता। हालांकि, इस बात को लेकर शंकाएं व्यक्त की जा रही हैं कि इस समझौते से फिलस्तीनी संकट का स्थायी समाधान हो सकेगा। इस युद्ध मसले का हल कूटनीति और आपसी बातचीत से ही निकालने के प्रयास किये जाने की आवश्यकता भारत लगातार व्यक्त करता रहा है। युद्ध का अंधेरा मिटाने, शांति का उजला करने एवं अहिंसा-सहजीवन की कामना ही भारत का लक्ष्य रहा है। इसीलिये भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार युद्ध विराम की कोशिश करते हुए दोनों ही देशों को दिशा-दर्शन देते रहे हैं। इसी तरह रूस एवं यूक्रेन में भी युद्ध-विराम की अपेक्षा है। बड़े शक्तिसम्पन्न राष्ट्रों को इस युद्ध को विराम देने के प्रयास करने चाहिए। जब तक रूस के अहंकार का विसर्जन नहीं होता तब तक युद्ध की संभावनाएं मैदानों में, समुद्रों में, आकाश में तैरती रहेगी, इसलिये आवश्यकता इस बात की भी है कि जंग अब विश्व में नहीं, हथियारों में लगे।

न सुशासन, न रोजगार, सिर्फ फ्रीबीज की बौछार

कमलेश पांडे

राजनीतिक दलों के द्वारा चुनावों के समय मतदाताओं के लिए एक से बढ़कर एक फ्रीबीज की जो बौछारें हो रही हैं, वह वोटर्स को %रिश्वत% नहीं तो और क्या है, इसे समझना जरूरी है! वहीं, जिन राजनीतिक दलों ने अपने चुनावी वायदों के अनुपालन में कोताही बरती, उनके खिलाफ क्या कार्रवाई होनी चाहिए, यह भी स्पष्ट नहीं है! इसलिए वायदे करो और फिर मुकर जाओ या फिर आधे-अधूरे पूरे करो, कोई पूछने वाला नहीं है! तभी तो राजनीतिक दलों की बल्ले-बल्ले है। चूंकि दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 का शोर मचा हुआ है, इसलिए इस फ्रीबीज की चर्चा पुनः आवश्यक है, ताकि मतदाता जागरूक हो सकें।

कहने को तो दिल्ली को छोटा हिन्दुस्तान और दिल वालों का शहर कहा जाता है, लेकिन पिछले 10-12 वर्षों में यहां जितनी राजनीतिक दिलग्गी हुई, वह बात किसी से छुपी हुई नहीं है। चाहे केंद्र में सत्तारूढ़ बीजेपी और एनडीए हो या फिर राज्य में सत्तारूढ़ आप और इंडिया गठबंधन, जिससे कभी आप जुड़ती है तो कभी %तलाक% ले लेती है! और देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस जो अपने नेतृत्व वाले गठबंधन या फिर अपने द्वारा समर्थित गठबंधन का अपनी सुविधा के अनुसार %गला मरोड़ने% में माहिर समझी जाती है, ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में राजनीतिक किंतु-परन्तु की सारी हदें पार कर चुकी हैं।

चूंकि इन राजनीतिक दलों ने खुद के लिए कोई आदर्श राजनीतिक नियम और उसके निमित्त बाध्यकारी कानून नहीं बनाकर रखे हैं, या फिर नाममात्र का बनाए हुए हैं, जिसकी व्याख्या ये लोग अपने मनमुताबिक कर लेते हैं, इसलिए इनकी सारी राजनीतिक हरकतें जायज समझी जाती हैं। वहीं, इनको तोहफा या सजा बस जीत-हार के माध्यम से जनता जनार्दन ही देती आई है। यहां भी वह मतदाता दलित-महादलित, पिछड़ा-अत्यंत पिछड़ा, सवर्ण-गरीब सवर्ण, आदिवासी-अल्पसंख्यक, महिला-पुरूष, युवा-बुजुर्ग, किसान-मजदूर, कामगार या पूंजीपति आदि इतने खानों में विभाजित है कि उनकी फूट डालो और शासन करो की नीति अक्सर सफल होती आई है।

शायद इसलिए जनता, सरकार और सुशासन के मुद्दे गौण पड़ जाते हैं और फ्रीबीज की चर्चा घर-घर पहुंचकर चुनावी खेल कर देती है। ऐसे में सुलगता हुआ सवाल है कि सुशासन से लेकर रोजगार के मोर्चे पर विफल हो चुकीं जनतांत्रिक सरकारों के द्वारा जिस तरह से फ्रीबीज की घोषणाएं की जा रही हैं, क्या यह देश की आर्थिक व्यवस्था यानी अर्थव्यवस्था के लिहाज से उचित है या फिर अनुचित है? यदि अनुचित है तो इससे बचने का रास्ता क्या है?

देखा जाए तो कबीलाई युग से लोकतांत्रिक सरकार तक मनुष्य की पहली जरूरत शांति और सुरक्षा है, ताकि वह मेहनत करते हुए अपना जीवन निर्वाह कर सके और इस देश-दुनिया को बेहतर बनाने में अपने हिस्से का योगदान दे सके। हालांकि, ऐसे सुशासन की गारंटी न तो तब मिली थी और न अब मिली हुई है। शासक-प्रशासक बेहतर हो तो क्षणिक सुख-शांति संभव है, अन्यथा जलालत ही मानवीय सच है।

याद दिला दें कि एक जमाने में जो राजनीतिक दल शिक्षा और स्वास्थ्य के बजट में कटौती दर

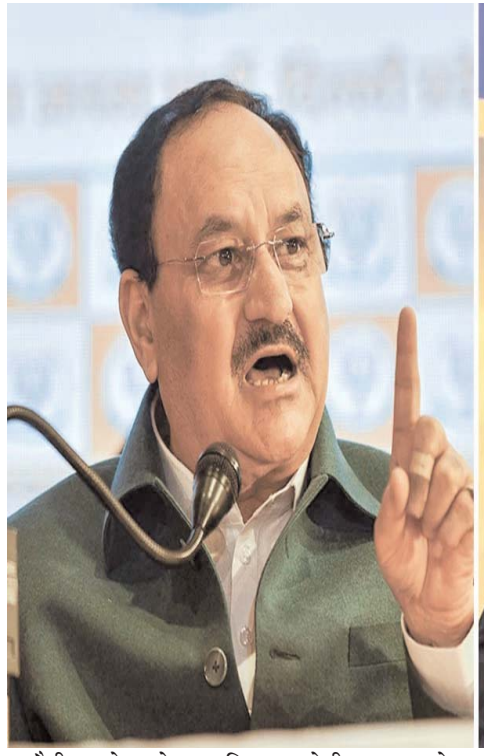

कटौती करते चले गए कि राजकोषीय घाटा को पाटना है! और अब उन्हीं के द्वारा जब फ्रीबीज की वकालत हो रही है तो इस सियासी तिकड़म को समझना भी दिलचस्प है। चाहे संसदीय चुनाव हो या विधान मंडलीय चुनाव, या फिर स्थानीय चुनाव, होने तो 5 साल में ही हैं। इसलिए जैसे तैसे चुनावी वायदे करके सरकार बना लो, इसी घुड़दौड़ में सभी राजनीतिक दल जूटे हुए हैं।

अब लोगों की दिलचस्पी न तो आजादी के तराने सुनने में है, न ही हिंदुत्व की माला जपने में। समाजवाद से लेकर वामपंथ तक अपने ही राजनीतिक हमाम में नंगे हो चुके हैं। ऐसे में कांग्रेस विरोधी %सम्पूर्ण क्रांति% की सफलता-विफलता के लगभग चार दशक बाद हुई दूसरी कांग्रेस विरोधी %अन्ना हजारे क्रांति% की सफलता से उपजी आम आदमी पार्टी ने जो फ्रीबीज की सियासी लत लगाई और दिल्ली से पंजाब तक कांग्रेस-भाजपा का सफाया कर दी, उससे दोनों पार्टियों ने शुरुआती आलोचनाओं के बाद आप के सियासी एजेंडे को ही अपनाने में सफलता पाई। हिमाचल प्रदेश से कर्नाटक तक कांग्रेस की विजय और हरियाणा से उड़ीसा तक भाजपा की जीत इसी बात की साक्षी है।

यही वजह है कि भाजपा नीत एनडीए, आप नीत संभावित तीसरा मोर्चा और कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन ने दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में एक-दूसरे को मात देने के लिए अपने-अपने फ्रीबीज के सियासी घोड़े खोल रखे हैं। वह भी तब, जब करदाताओं की ओर से इसकी खुलेआम आलोचना हो रही है।

वहीं, आपने देखा-सुना होगा कि केंद्र सरकार की अटपटी नीतियों पर सर्वोच्च न्यायालय तक ने टिप्पणी की, कि आखिर 80 करोड़ लोगों को आप कबतक मुफ्त या फिर कम कीमत पर अनाज देंगे। ऐसे में उन्हें आप रोजगार क्यों नहीं दे देते! कोर्ट की यह टिप्पणी जायज है और प्रशासन यदि चाहे तो उसके लिए यह मुश्किल भी नहीं है।

वहीं, आम आदमी पार्टी ने अनुमन्य यूनिट तक फ्री बिजली, फ्री पानी, फ्री और किफायती शिक्षा व स्वास्थ्य, महिलाओं के लिए फ्री बस यात्रा, लक्षित वर्गों को अलग-अलग नगद आर्थिक मदद आदि जैसी जो चुनावी-प्रशासनिक रवायतें शुरू की है, और अब उन्हीं की देखा-देखी कांग्रेस और भाजपा जैसी राष्ट्रीय पार्टियों में भी इस नीतिगत मुद्दे पर आपाधापी मची हुई है, यह नीति एक नए आर्थिक और अर्थव्यवस्था के संकट को जन्म दे सकती है।

महामाया पहाड़ पर बसे 182 कब्जाधारियों को आखिरी नोटिस

60 को 24 घंटे में कब्जा हटाने की चेतावनी, वनमंत्री-प्रभारी मंत्री के निर्देश के बाद एक्शन

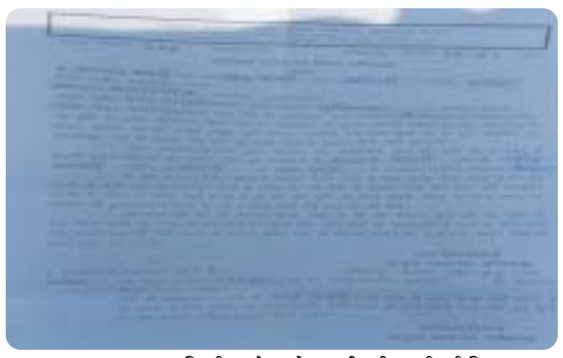

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा (एजेंसी)। अंबिकापुर के महामाया पहाड़ की संरक्षित वनभूमि को खाली कराने वनमंत्री के निर्देश पर बड़ी कार्रवाई की तैयारी कर ली गई है। सरगुजा डीएफओ ने शनिवार को 182 कब्जाधारियों को अवैध कब्जा हटाने का नोटिस जारी किया है। पहले चरण में 60 लोगों को 24 घंटे में कब्जा हटा लेने का अल्टीमेटम दिया गया है। साल 2021 में महामाया पहाड़ पर कब्जाधारियों का सर्वे हुआ था। राजनीतिक कारणों से कार्रवाई रुक गई थी। सरगुजा के सिद्ध शक्तिपीठ महामाया मंदिर से लगे महामाया पहाड़ में पिछले कुछ साल में बड़े पैमाने पर लोगों ने अतिक्रमण कर लिया। पहाड़ को काटकर कब्जा कर घर बना लिया। यह क्षेत्र वनभूमि है। ऑक्सीजन पार्क से लगे अंबिकापुर के ग्रीन एरिया के रूप में चिह्नित महामाया पहाड़ का अस्तित्व अतिक्रमण के कारण खतरे में आ गया है।

तीन साल पहले सर्वे, नहीं हुई कार्रवाई: अवैध अतिक्रमण को लेकर भाजपा नेता और पार्षद आलोक दुबे की शिकायत पर जिला प्रशासन, वन विभाग के संयुक्त अमले ने साल 2021 में महामाया पहाड़ में सर्वे कराया। सर्वे के दौरान 440 लोगों का अतिक्रमण पाया गया। 15 अक्टूबर 2022 को 60 अतिक्रमणकारियों का कब्जा हटाने के लिए कार्रवाई शुरू की गई थी, लेकिन राजनीतिक दबाव में यह कार्रवाई रुक गई थी।

वनमंत्री ने दिए तत्काल कार्रवाई के निर्देश: सरगुजा प्रवास पर पहुंचे वनमंत्री केदार कश्यप ने हाथी पखना गणपति धाम से महामाया पहाड़ पर अतिक्रमण की स्थिति देखी। भाजपा नेता आलोक दुबे ने वनमंत्री को महामाया पहाड़ पर अतिक्रमण और वन विभाग द्वारा कार्रवाई नहीं किए जाने की जानकारी दी।

वनमंत्री केदार कश्यप ने नवागढ़ मार्ग पर भी पहुंचकर अवैध अतिक्रमण का निरीक्षण किया। समीक्षा बैठक में उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों और वनविभाग को तत्काल अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करने के निर्देश दिया। शनिवार को प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी ने भी सरगुजा कलेक्टर को अतिक्रमण हटाने कार्रवाई करने के निर्देश दिए है।

वनविभाग ने 182 कब्जाधारियों को दिया नोटिस: सरगुजा डीएफओ ने 182 कब्जाधारियों को अवैध कब्जा हटाने का नोटिस जारी किया है। यह नोटिस 17 जनवरी को जारी किया गया है। 18 जनवरी को कब्जाधारियों को नोटिस थमा दिया गया है। पहले चरण में 60 लोगों का अतिक्रमण हटाया जाएगा, जिसके लिए उन्हें 24 घंटे का समय दिया गया है। ये सभी अतिक्रमण संरक्षित वनक्षेत्र खैरबार के आरएफ 2582 क्षेत्र में हैं। नोटिस में कहा गया है कि, अतिक्रमणकारियों द्वारा कब्जा नहीं हटाए जाने पर वनभूमि पर खड़ी फसल, भवन या अन्य निर्माण को वनविभाग द्वारा राजसात कर लिया जाएगा।

निष्पक्ष कार्रवाई होगी-डीएफओ: सरगुजा डीएफओ टी. शेखर ने कहा कि, वनभूमि से बेदखली की कार्रवाई नियमानुसार की जा रही है। वनभूमि पर कब्जा अनाधिकृत है। किसी को वनभूमि का पट्टा नहीं मिलेगा। बेदखली की कार्रवाई में पूरी पारदर्शिता बरती जा रही है।

नवीन जिले एमसीबी को पहली महिला जिला पंचायत अध्यक्ष से पहले मिली पहली महिला जिला पंचायत सीईओ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। नवीन जिला मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर को महिला जिला पंचायत अध्यक्ष से पहले पहली महिला जिला पंचायत सीईओ मिल गई है। राज्य सरकार द्वारा शुक्रवार को राज्य प्रशासनिक सेवा अफसरों की जारी की गई तबादला सूची में कोरिया जिले की अपर कलेक्टर अंकिता सोम को मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिला पंचायत का मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनाया गया है। अंकिता सोम नई जिला पंचायत मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर की पहली जिला पंचायत सीईओ होंगी। कोरिया से कटकर अलग जिला पंचायत बने मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिला पंचायत में पहली बार जिला पंचायत के चुनाव होंगे। शनिवार को अंकिता सोम ने कार्यालय पहुंचकर पदभार भी ग्रहण कर लिया है। अंकिता सोम ने कहा बेहतर तरीके से नए जिला पंचायत का निर्वाचन करवाना उनकी पहली प्राथमिकता होंगी। वही शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ जिला पंचायत क्षेत्र के हर पंचायत में पहुंचाने के लिए वे कार्य करेंगी। अंकिता सोम ने आशा जताई कि सभी के सहयोग एवं समन्वय से शासन के जनहितैषी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास उनके द्वारा किया जायेगा। गौरतलब है कि अंकिता सोम 2014 बैच की राज्य प्रशासनिक सेवा की अफसर है। इससे पहले वे कोरिया जिले में अपर कलेक्टर के पद पर पदस्थ थी। इसके अलावा वे दुर्ग और गरियाबंद जिले में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दे चुकी है। नए जिला पंचायत मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिला पंचायत का अध्यक्ष पद एसटी महिला के लिए पहले ही आरक्षित हुआ है। अब पहली जिला पंचायत सीईओ के पद पर अंकिता सोम द्वारा पदभार संभालने के बाद नए जिला पंचायत की कमान नारी शक्ति के हाथों में होगी।

शराब के नशे में दोस्त ने की दोस्त की हत्या

मध्यप्रदेश के दो युवकों में विवाद, सिर पर डंडे से किया हमला, आरोपी पछता रहा

मीडिया ऑडीटर, कांकेर (एजेंसी)। भानुप्रतापपुर में शराब के नशे में एक युवक ने अपने दोस्त की हत्या कर दी। होश में आने के बाद आरोपी दोस्त को अपनी करनी पर पछतावा हो रहा था जिसके बाद वह पुलिस से बचाव का गुहार लगा रहा था। मध्यप्रदेश के रहने वाले दोनों दोस्त भानुप्रतापपुर-अंतागढ़ मार्ग पर स्थित एक गैरेज में काम करते थे। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने आरोपी जोगेंद्र को हिरासत में ले लिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दोनों के बीच हुआ था विवाद: शनिवार रात को संदेश कुमार और जोगेंद्र ने साथ में शराब पीने का फैसला किया। देर रात तक दोनों शराब पीते रहे, इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि जोगेंद्र ने गुस्से में आकर डंडे से संदेश कुमार के सिर पर वार कर दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक संदेश कुमार के परिजन मध्य प्रदेश के रायसेन जिले के सेमरीकला में रहते हैं। पुलिस ने उन्हें घटना की सूचना दे दी है। परिजनों के आने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर उन्हें सौंप दिया जाएगा।

होश में आने के बाद पछतावा: वहीं, नशा उतरने के बाद आरोपी जोगेंद्र को अपनी करनी का पछतावा हो रहा है।

सीमेंट भरी बाल्टी से सिर फोड़कर पत्नी की हत्या

सड़क पर लहूलुहान शव छोड़कर भागा पति, विवाद के बाद वारदात

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में पति ने सीमेंट भरी बाल्टी पत्नी का सिर फोड़कर हत्या कर दी। सिर फटने से वो बुरी तरह लहूलुहान हो गई थी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद पति लाश को छोड़कर भाग गया। टिकरापारा पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई है।

टिकरापारा थाना प्रभारी विनय सिंह के मुताबिक, पुलिस को शनिवार शाम करीब 8:30 बजे सूचना मिली कि कमल विहार इलाके में एक महिला की हत्या हुई है। शुरुआती जांच में पता चला कि पति गजेंद्र यादव ने अपनी पत्नी हेमलता यादव (27) के सिर पर सीमेंट भरी बाल्टी मारकर फोड़ दिया। जिससे उसकी जान चली गई।

दोनों के बीच हुआ था जमकर विवाद: पुलिस ने इस मामले में आसपास के लोगों से पूछताछ किया तो पता चला कि दोनों पति-पत्नी के बीच वारदात के पहले जमकर विवाद हुआ था। पति गाली-गलौच भी कर रहा था। विवाद किस बात को लेकर था यह अभी साफ नहीं हो पाया है। पुलिस को महिला की लाश के पास ही सीमेंट से भरी बाल्टी भी मिली है। जिससे मारकर हत्या हुई है। साथ ही लाश के आसपास खून भी बिखरा हुआ था।

फोरेंसिक की टीम ने सबूत जुटाए: इस मामले में फोरेंसिक की टीम ने मौके पर जाकर सबूत जुटाए है। इसके साथ ही पुलिस ने महिला की लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए मॉर्चुरी में भेजवा दिया है। बताया जा रहा है कि, दोनों चिरको पटेवा महासमुंद जिले के रहने वाले हैं। रायपुर में पिछले कुछ साल से वो रह रहे थे। पति राजमिस्त्री का काम करता है।

रिक्शा वाले के नाम पर फर्जी रजिस्ट्री

35 लाख की डील करने वाला आरोपी पकड़ाया, रसूखदारों के भी शामिल होने की आशंका

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर में सरकारी जमीन हड़पने के मामले में एक और आरोपी की गिरफ्तारी हुई है। मामला ग्राम मोपका, चिल्हाटी और लगरा की सरकारी जमीन का है। जांच में पता चला कि आरोपियों ने की करीब 6 एकड़ जमीन के सरकारी रिकॉर्ड में हेरफेर किया। आरोपी ने पहले गुलाल उमर के नाम पर फर्जी दस्तावेज बनाए गए, फिर एक रिक्शा चालक भोंदू दास मानिकपुरी के नाम पर फर्जी रजिस्ट्री कर रोहन खेड़िया और नूतन खेड़िया को बेच दिया गया। पूछताछ में जमीन घोटाले में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है।

फर्जी दस्तावेज बनाकर जमीन बेचा: इस मामले में पहले से ही भोंदूदास मानिकपुरी, राम कुमार यादव, सुरेश उर्फ बब्बू मिश्रा और हैरी जोसेफ को गिरफ्तार किया जा चुका है। शुक्रवार को सरकंडा पुलिस ने भवनलाल कुर्रे को भी हिरासत में लिया।

कब्जा छुड़वाने 35 लाख रुपए लिए: एसपी रजनेश सिंह के निर्देश पर की गई जांच में भवनलाल कुर्रे के खिलाफ सबूत मिले। आरोप है कि उसने सरकारी जमीन (खसरा नंबर 224/3 और 232/12) पर से कब्जा छुड़वाने और बिक्री की सहमति के एवज में 35 लाख रुपए लिए थे।

कई बड़े रसूखदार भी शामिल: पुलिस के मुताबिक, इस जमीन घोटाले में कई बड़े और रसूखदार लोग शामिल हैं, मामले की शिकायत प्रकाश सिंह ने पिछले साल की थी, जिस पर पुलिस महानिरीक्षक ने विशेष जांच टीम का गठन किया था। तत्कालीन तहसीलदार और वर्तमान में कबीरधाम के डिप्टी कलेक्टर संदीप ठाकुर की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज किया गया था।

रायगढ़ के एक घर में चल रही थी चंगाई सभा

मोहल्लेवासियों ने किया विरोध, ओडिशा से आए 3 पास्टर गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ (एजेंसी)। रायगढ़ जिले के बांसडांड में एक घर में चंगाई सभा चल रही थी। वहां मोहल्ले के 20 से ज्यादा लोग जुटे थे। मोहल्ले के लोगों को जब इसकी जानकारी हुई, तो उन्होंने थाने को सूचना दी। पुलिस ने ओडिशा के 3 पास्टर को गिरफ्तार कर लिया है। मामला लैलूंगा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, शनिवार को बांसडांड के पूटूपारा मोहल्ला में रहने वाले धरम भगत के घर ओडिशा से 3 पास्टर पहुंचे थे। उसके घर में चंगाई सभा चल रही थी। जिसमें धर्म परिवर्तन के लिए लोगों को कई तरह से प्रलोभन दिया जा रहा था।

इसी धरम भगत के घर के बगल से गुजर रहे लोगों को इसकी जानकारी लगी, तो लोकेश्वरी सिदार और अन्य लोग वहां पहुंचकर इसका विरोध करने लगे। जिससे माहौल गरमाने लगा। जिसके बाद लोकेश्वरी सिदार ने मामले की सूचना थाने में दी।

बंद कराई गई सभा: लैलूंगा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और सभा को बंद कराते हुए ओडिशा से आए पास्टर लक्ष्मण भगत, अशोक केता और मुन्ना केता को गिरफ्तार कर लिया। मामले में तीनों आरोपियों के खिलाफ अपराध कायम कर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

लगातार किया जाएगा विरोध: हिंदू संगठन के अंशु टूटेजा ने बताया कि, बांसडांड के एक घर में चंगाई सभा होने की सूचना हमको मिली। पूर्व में शहरी क्षेत्र में धर्मांतरण का खेल चल रहा था। जब हमने इसका विरोध किया, तो अब ग्रामीण क्षेत्रों में भोले-भाले लोगों को प्रलोभन देकर धर्मांतरण का खेल खेला जा रहा है। इसका लगातार विरोध किया जाते रहेगा।

आरोपियों पर अपराध दर्ज: इस मामले में लैलूंगा थाना प्रभारी राजेश जांगड़े ने बताया कि, मामले की शिकायत मिलने के बाद 3 पास्टर को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

दूसरे धर्म के लिए अभद्र टिप्पणी: शिकायतकर्ता लोकेश्वरी सिदार ने बताया कि, चंगाई सभा में दूसरे धर्म के लिए अभद्र टिप्पणी किया जा रहा था। पूटूपारा मोहल्ले के करीब 20-22 महिला पुरुष यहां मौजूद थे। मामले की शिकायत थाने में की गई है।

लाखों की चोरी का खुलासा, व्यापारी के पूर्व कर्मचारी ने की थी चोरी

मीडिया ऑडीटर, बलौदाबाजार (एजेंसी)। बलौदाबाजार के ग्राम छांछी में हुई लाखों रुपए की चोरी का मामला सुलझा लिया गया है। पुलिस ने व्यापारी के पूर्व कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान दिलीप कुमार कश्यप के रूप में हुई है। एसपी विजय अग्रवाल के निर्देशन में कार्रवाई करते हुए कसडोल थाना पुलिस ने मामले की जांच की। शिकायतकर्ता चोलेश साहु ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके सूने मकान से अज्ञात चोर सोने-चांदी के गहने, नकदी और क्रेटा कार चुरा ले गए थे।

संदेह के बाद आरोपी से पूछताछ: जांच के दौरान पुलिस को पूर्व कर्मचारी पर संदेह हुआ। पूछताछ में उसने चोरी की बात स्वीकार कर ली।

प्रेग्नेंट पत्नी की हत्या, पति को उम्रकैद

14 बार चाकू से वार, 3 बच्चों के सामने वारदात, कैरेक्टर पर करता था शक

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर में एक पति ने अपनी गर्भवती पत्नी की निर्मम हत्या कर दी और फिर इसे आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया। न्यायालय ने आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। घटना 17 अप्रैल 2022 की है, जब रामपुर, कोरबा में शिव प्रकाश शाह ने अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह करते हुए उस पर चाकू से हमला कर दिया, और घटना को आत्महत्या का रूप देने के लिए एक सब्जी काटने वाला चाकू पुलिस को सौंप दिया।

मृतका के शरीर पर 14 चोट के निशान थे: पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृतका के शरीर पर 14 चोट के निशान पाए गए, जिनमें से अधिकांश इतने गहरे थे कि डॉक्टरों ने स्पष्ट किया कि ये चोट मृतका स्वयं नहीं पहुंचा सकती थी। आरोपी ने डॉक्टरों को भी गुमराह करने का प्रयास किया।

आरोपी के बच्चे बयान से मुकर गए थे: पुलिस की लास्ट सीन थ्योरी और डॉक्टर की क्रेरी रिपोर्ट के आधार पर हत्या का खुलासा हुआ। हालांकि आरोपी के बच्चे अपने बयान से मुकर गए, जबकि हमले के दौरान आरोपी के तीनों बच्चे वहीं मौजूद थे।

वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर कोर्ट ने आरोपी को दोषी करार दिया है। न्यायालय ने पत्नी की हत्या के साथ गर्भस्थ शिशु की हत्या को गंभीर अपराध माना। इस मामले को सुलझाने में तत्कालीन चौकी प्रभारी रामपुर कोरबा उप निरीक्षक कृष्णा साहू और लोक अभियोजक राजेंद्र साहू का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं के लिए खास सुविधा

कलेक्टोरेट और निगम में बनेंगे पिंक रूम-टॉयलेट, 53 लाख की लागत से होगा निर्माण

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर कलेक्टोरेट और नगर निगम कार्यालय में कार्यरत महिलाओं की सुविधा के लिए दो पिंक रूम और एक पिंक टॉयलेट का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना पर कुल 53 लाख रुपए खर्च होंगे। डीएमएफ फंड से प्रत्येक पिंक रूम के लिए 20-20 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

कलेक्टर अवनीश शरण ने बताया कि यह सुविधा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) के अवसर पर महिलाओं को समर्पित की जाएगी। इन कक्षों में महिलाओं को स्तनपान कराने, कपड़े बदलने और आराम करने की सुविधा मिलेगी।

नगर निगम आयुक्त अमित कुमार के मुताबिक, निगम में 6 टॉयलेट के नवीनीकरण और पिंक रूम के निर्माण के लिए 13 लाख रुपए का ठेका दिया गया है। यह कदम महिला प्रतिनिधिमंडल की मांग पर उठाया गया है, जिससे कार्यालय आने वाली महिलाओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

यह पहल दिल्ली हाईकोर्ट के एक महत्वपूर्ण आदेश का परिणाम है, जिसमें सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं और बच्चों के लिए बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था। छत्तीसगढ़ की महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक तुलिका प्रजापति ने इस संबंध में सभी जिला अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

धान खरीदी में अनियमितता

14 केंद्र प्रभारियों को नोटिस, 3 अधिकारियों पर एफआईआर, 24 घंटे में जवाब मांगा

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर में धान खरीदी में अनियमितता पाए जाने पर 14 केंद्र प्रभारियों को नोटिस जारी किया गया है। भौतिक सत्यापन के दौरान 14 केंद्र प्रभारियों के खिलाफ गंभीर अनियमितताओं के साक्ष्य मिले। जिसके बाद कलेक्टर अवनीश शरण ने इन सभी प्रभारियों को 24 घंटों के भीतर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है।

खाद्य अधिकारी अनुराग सिंह भदौरिया के मुताबिक, एरमशाही, जयरामनगर, रिसदा, सारधा, बोड़सरा, सोन, पोंड (सकरी) गनियारी, टांडा, कुकदा, पोड़ी, जांजी, मस्तूरी और कौड़ियां केंद्रों में गड़बड़ियां पाई गई हैं। घुटकु केंद्र में 1 हजार बोरी धान कम पाए जाने पर वहां के प्रभारी को भी नोटिस थमाया गया है।

3 प्रभारियों को किया निलंबित: मामले में कड़ी कार्रवाई करते हुए बिरकोना धान खरीदी केंद्र के प्रभारी समिति प्रबंधक देवारी लाल यादव, ऑपरेटर प्रियांशु जायसवाल और वर्तमान खरीदी प्रभारी विनोद कुमार यादव को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। इन तीनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए गए हैं।

बता दें कि, जिले में अब तक 6.27 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है, जिसमें 1.18 लाख से अधिक किसानों ने धान बेचा है। खरीदी का 71 प्रतिशत उठाव पूरा हो चुका है। अवैध धान की रोकथाम में 77 मामलों में कुल 2,976 क्विंटल धान जब्त किया गया है।

रील बनाते समय गौरघाट में डूबे युवक का शव मिला

मीडिया ऑडीटर, कोरिया (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के गौरघाट फॉल में रील बनाने के लिए उंचाई से कूदे युवक का शव पांचवें दिन एसडीआरएफ टीम ने बरामद कर लिया है। युवक अपने साथियों के साथ पिकनिक मनाने के लिए बुधवार को गौरघाट गया था। शाम को रील बनाने के लिए उंचाई से गौरघाट फॉल के पानी में कूद गया। इसके बाद वह डूब गया।

लगातार चल रही खोजबीन के बाद पांचवें दिन युवक का शव बरामद कर लिया गया है। घटना चरचा थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, एमसीबी जिले के खड़गवां थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम दुबछोला निवासी राहुल सिंह (25) अपने साथियों के साथ बुधवार को पिकनिक मनाने के लिए गौरघाट पहुंचा था।

जम्मू-श्रीनगर रेलवे लाइन का ट्रायल रन पूरा

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक प्रोजेक्ट के हिस्से कटरा-बडगाम रेलवे ट्रैक पर ट्रायल रन रविवार को पूरा हो गया। 18 कोच की ट्रायल ट्रेन सुबह 8 बजे कटरा रेलवे स्टेशन से कश्मीर की ओर रवाना हुई। ट्रायल की देखरेख कर रहे रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यह यूएसबीआरएल का आखिरी टेस्ट रन है। 41 हजार करोड़ रुपए की लागत से बने यूएसबीआरएल प्रोजेक्ट की कुल लंबाई 272 किमी. है। इसमें 111 किमी. का रास्ता सुरंग के भीतर है। 12.77 किमी. लंबी टी-49 सुरंग इस प्रोजेक्ट में सबसे लंबी है।

रियासी जिले में चिनाब नदी पर दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल भी इसी प्रोजेक्ट का हिस्सा है। पुल की लंबाई 1315 मीटर, जबकि नदी तल से ऊंचाई 359 मीटर है। इसे बनाने में करीब 20 साल का वक्त लगा, जबकि 1486 करोड़ रुपए की लागत आई है।

भारतीय रेलवे का पहला केबल पुल भी इसी प्रोजेक्ट का हिस्सा भारतीय रेलवे ने इस प्रोजेक्ट के जरिए एक और उपलब्धि हासिल की है। अंजी खड्ड पर बनाया गया पुल भारतीय रेलवे का पहला केबल-स्टेड पुल है। यह पुल नदी तल से 331 मीटर की ऊंचाई पर बना है। 1086 फीट ऊंचा एक टावर इसे सहारा देने के लिए बनाया गया है, जो करीब 77 मंजिला इमारत के बराबर ऊंचा है। यह ब्रिज अंजी नदी पर बना है जो रियासी जिले को कटरा से जोड़ता है। चिनाब ब्रिज से इसकी दूरी महज 7 किलोमीटर है। इस पुल की कुल लंबाई 725.5 मीटर है। इसमें से 472.25 मीटर का हिस्सा केबल्स पर टिका हुआ है।

भारतीय सेना पर देश और दुनिया को है गर्व : मुयमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि पूरे देश और दुनिया को भारतीय सेवा पर गर्व है। बेहद अनुशासित इकाई के रूप में सेना ने अपनी विशेष पहचान बनाई है। अपनी क्षमता और योग्यता से दुनिया की कई चुनौतियों का समाधान कर भारतीय सेना ने कठिनतम समय में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। देश को आजादी मिलने के समय, विश्व के कई देश स्वतंत्र हुए लेकिन भारत आज विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में स्थापित है, इस पर सभी भारतवासियों को गर्व है। भारतीय सेना का अनुशासन, सजकता, स्फूर्ति और तत्परता ही इस गौरव का आधार है। साहस और शक्ति से संपन्न भारतीय सेना ने हर राजनीतिक परिस्थिति में अपनी सीमा और अनुशासन में रहते हुए मूल भूमिका का निर्वहन किया और देश हित में श्रेष्ठतम योगदान दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव, फिटनेस-एकता और देश भक्ति के लिए फिट इंडिया रन विथ इंडियन आर्मी के आदर्श वाक्य के साथ द्रोणाचल में आयोजित आर्मी मैराथन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मैराथन विजेताओं को पुरस्कार वितरित भी किऐ। इस अवसर पर उत्साह और जोश से भरपूर भांगड़ा नृत्य की प्रस्तुति दी गई। सेना के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को स्मृति चिन्ह भेंट किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश सशक्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा सीमा पर तैनात सेना के जवानों के साथ दिवाली मनाने की की पहल सराहनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 1949 में जनरल के.एम. करियप्पा के भारतीय सेना के पहले कमांडर इन चीफ के रूप में कार्यभार ग्रहण करने की याद में 15 जनवरी को सेना दिवस मनाया जाता है। इस क्रम में सुदर्शन चक्र कोर द्वारा आर्मी मैराथन आयोजन की पहल सराहनीय है। उन्होंने इसकी निरंतरता बनाए रखने की अपील की और अधिक से अधिक लोगों से मैराथन में सहभागी होने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि क्षमता और योग्यता में बेटा-बेटी बराबर है और उनके अधिकार भी समान है। अत: आर्मी मैराथन में विजेता बेटियों को समान राशि के ही पुरस्कार प्रदान किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हॉफ मैराथन ओपन केटेगरी के अंतर्गत पुरुष वर्ग के विजेता श्री रोहित वर्मा को 1 लाख रुपये, रनर अप श्री हरीश को 50 हजार और तृतीय स्थान पर रहे श्री हुकुम को 25 हजार रुपये का चैक और मध्यप्रदेश पर्यटन का कूपन पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया। महिला वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त सुश्री भारती नैन, द्वितीय स्थान पर रहीं सुश्री किरण साहू और तृतीय स्थान पर रहीं सुश्री प्रीति खण्डेलवाल को पुरस्कृत किया।

अहमदाबाद में आयुष्मान घोटाला, आरोपी रिमांड पर

गांधीनगर(एजेंसी)। गुजरात के अहमदाबाद में पीएमजेएवॉय योजना में घोटाले के आरोपी कार्तिक पटेल को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उसे 10 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। कार्तिक के अस्पताल में 2 मरीजों की पीएमजेएवॉय योजना के तहत जबरन एंजियोप्लास्टी की गई थी, इसके बाद मरीजों की मौत हो गई। घटना के बाद कार्तिक त्यागी फरार हो गया। पुलिस ने उसे शनिवार रात अहमदाबाद एयरपोर्ट से दुबई से लौटने पर गिरफ्तार किया पुलिस ने कोर्ट में कहा कि कार्तिक और उसकी टीम ने मरीजों की जांच रिपोर्ट में 30 से 80 प्रतिशत ब्लॉकेज दिखाए। ताकि पीएमजेएवॉय का लाभ उठाया जा सके। 956 दिनों में योजना के तहत 3500 से ज्यादा क्लेम किए गए। 3800 एंजियोप्लास्टी और एंजियोग्राफी की गई। सरकारी वकील ने कोर्ट में कहा कि अस्पताल में सभी ऑपरेशन कार्तिक के कहने पर ही किए गए थे। कार्तिक पटेल के वकील ने कोर्ट में कहा कि इस मामले में वित्तीय लेनदेन की जांच होनी है। इसके लिए रिमांड की जरूरत नहीं है। कार्तिक के अस्पताल में कई मरीजों का मुफ्त ऑपरेशन हुआ, अगर पैसे कमाने होते तो ऐसा क्यों करते। सरकारी योजना के प्रचार-प्रसार के लिए उन्हें कैंप लगवाए थे।

महाकुंभ मेले में आग, गीता प्रेस के 180 कॉटेज जले

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज में महाकुंभ के मेला क्षेत्र में शाम करीब साढ़े चार बजे आग लग गई। शास्त्री ब्रिज के पास सेक्टर 19 में गीता प्रेस के कैंप में ये आग लगी। गीता प्रेस के 180 कॉटेज आग में जल गए। अफसरों के मुताबिक, खाना बनाते समय सिलेंडर ब्लास्ट हो गया था। इसके बाद कई सिलेंडर ब्लास्ट हो गए। आग बुझाने के लिए 12 फायर ब्रिगेड भेजी गई थीं। फायर ब्रिगेड ने आग पर एक घंटे के भीतर काबू पा लिया। एक संन्यासी के एक लाख रुपए के नोट भी जल गए। मेला सीएफओ (चीफ फायर ऑफिसर) प्रमोद शर्मा ने

बताया कि आग से करीब 500 लोगों को बचाया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटनास्थल पर पहुंच कर हालात का जायजा लिया। पीएम नरेंद्र मोदी ने भी सीएम योगी को फोन कर घटना की पूरी जानकारी ली। आग लगने की घटना से कुछ देर पहले ही उन्होंने हेलिकॉप्टर से महाकुंभ मेला क्षेत्र का जायजा लिया था।

राहुल गांधी के खिलाफ असम में गैर जमानती एफआईआर

गुवाहाटी (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ गुवाहाटी के पान बाजार पुलिस स्टेशन में शनिवार को स्वद्धक्र दर्ज की गई है। आरोप है कि राहुल ने भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले बयान दिए। बीएनएस की धारा 152 के तहत दर्ज स्वद्धक्र गैर जमानती है। यानी अगर राहुल की गिरफ्तारी होती है तो उन्हें जमानत के लिए सीधे कोर्ट जाना पड़ेगा। स्वद्धक्र गुवाहाटी हाईकोर्ट के वकील मोनजीत चेतिया ने दर्ज कराई

है। चेतिया ने कहा कि, राहुल के बयान से देश की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया है। विपक्ष के नेता का सार्वजनिक मंच से दिया गया बयान साधारण राजनीतिक टिप्पणी नहीं है।

दरअसल, 13 जनवरी को राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ प्रमुख रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को राष्ट्रीय देवी अहिल्या पुरस्कार देने के लिए इंदौर में थे।

समारोह में भागवत ने कहा था कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को प्रतिष्ठा द्वादशी के तौर पर मनाया जाना चाहिए। इसे ही भारत का सच्चा स्वतंत्रता दिवस मानना चाहिए। 15 जनवरी को नए कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन के उद्घाटन में राहुल ने भागवत के बयान पर कहा- भाजपा, आरएसएस ने हर संस्था पर कब्जा कर लिया है।

आतिशी बोलीं- केजरीवाल पर हमला करने वाले 3 लोग भाजपा प्रत्याशी प्रवेश वर्मा के करीबी, तीनों अपराधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने रविवार सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केजरीवाल पर हुए हमले को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं पर नए आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि केजरीवाल पर भाजपा के 3 गुंडों ने हमला किया। ये तीनों हार्डकोर क्रिमिनल थे, जो केजरीवाल की हत्या करना चाहते थे। तीनों पर चोरी, डकैती से लेकर हत्या तक के प्रयास के मामले दर्ज हैं। आतिशी ने कहा कि ये आम

कार्यकर्ता नहीं, सधे हुए गुंडे हैं। चुनाव में हार को देखते हुए भाजपा बौखला गई है। वो केजरीवाल की जान लेने पर उतर आई है। हमलावरों में पहला राहुल उर्फ शैंकी था, ये भाजपा का नेता है। प्रवेश वर्मा का बेहद खास है। इसके अलावा दूसरे हमलावर का नाम रोहित त्यागी है। रोहित भी प्रवेश वर्मा का प्रचार करता है। तीसरा शख्स सुमित है। इस पर चोरी-डकैती का केस है।

इन आरोपों को लेकर भाजपा नेता प्रवेश वर्मा ने कहा- 11 साल सीएम रहने के बाद भी केजरीवाल को घर-घर जाकर कैंपेन करना पड़ रहा है।

सैफ पर हमला केस- एक आरोपी गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान के घर में घुसकर हमला करने के मामले में मुंबई पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस ने रविवार सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि आरोपी को शनिवार रात 2 बजे ठाणे के एक लेबर कैंप से गिरफ्तार किया गया। मुंबई पुलिस के डीसीपी गेदाम दीक्षित ने बताया कि बताया कि आरोपी चोरी करने के इरादे से एक्टर के घर में घुसा था। उसके पास भारत का कोई वैध दस्तावेज नहीं है। उसके पास जो चीजें मिली हैं, उनके आधार पर बांग्लादेशी होने का शक है। मुंबई पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे 5 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया। आरोपी हमलावर है या नहीं, पुलिस बोली- जांच चल रही इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में

पुलिस ने यह तो कहा कि आरोपी सैफ अली खान के घर में घुसा था, लेकिन पुलिस ने इसका स्पष्ट जवाब नहीं दिया कि इसी आरोपी ने सैफ पर हमला किया था या नहीं। जब मीडिया ने पूछा कि वारदात के समय वह अकेला था या कुछ और लोग भी साथ थे, तो पुलिस ने कहा- जांच चल रही है।

अमित शाह बोले-दिल्ली में एनडीए की सरकार बनेगी

अमरावती (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा के पास नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट के दक्षिणी परिसर और नेशनल डिजास्टर रिसपॉन्स फोर्स की 10वीं बटालियन परिसर के साथ अन्य प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। इस दौरान एक जनसभा में उन्होंने कहा कि जब कोई आपदा भगवान द्वारा भेजी जाती है तो एनडीआरएफ मदद के लिए आती है। मैन मेड (मानव निर्मित) आपदा होती है तो एनडीए मदद के लिए आती है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा के बाद

एनडीए 2025 में दिल्ली में सरकार बनाएगी।

शाह ने कहा कि आंध्र प्रदेश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का पूरा समर्थन है।

किसान आंदोलन- अनशन के 55वें दिन डल्लेवाल को ग्लूकोज चढ़ाया

पटियाला (एजेंसी)। सभी फसलों की स्वक्कपर खरीद समेत 12 मांगों को लेकर 55 दिन से अनशन कर रहे 70 साल के किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को ग्लूकोज चढ़ाया गया है। शनिवार को केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण विभाग के जॉइंट सेक्रेटरी पंजाब और हरियाणा के खनौरी बॉर्डर पर पहुंचे थे। उन्होंने डल्लेवाल से मिलकर मीटिंग का न्योता दिया। केंद्र की तरफ से बातचीत का प्रस्ताव मिलने के बाद किसानों ने डल्लेवाल को मेडिकल ट्रीटमेंट देने के लिए हामी भर दी और देर रात उन्हें ग्लूकोज चढ़ाया गया। अब चंडीगढ़ में 14 फरवरी को किसान संगठनों की भारत और पंजाब सरकार के मंत्रियों के साथ बैठक होगी। खनौरी बॉर्डर पर मीडिया से बातचीत करते हुए जॉइंट सेक्रेटरी प्रियरंजन ने कहा कि केंद्र को आमरण अनशन पर बैठे डल्लेवाल की सेहत की फिक्र है। हम यहां आए हैं, ताकि कोई रास्ता निकल सके। केंद्र की तरफ से बातचीत का जो प्रस्ताव दिया गया है उसमें लिखा है- भारतीय किसान यूनियन (गैर राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा की मांगों को लेकर भारत सरकार और पंजाब सरकार के मंत्रियों के साथ 14 फरवरी को बैठक होगी।

केजरीवाल बोले-केंद्र जमीन दे, सफाई कर्मचारियों के घर हम बनाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार सुबह सफाई कर्मचारियों के लिए घोषणा की। उन्होंने कहा- अगर केंद्र सरकार सब्सिडी पर जमीन दे तो हम उस पर मकान बनवाकर आसान किस्तों में सफाई कर्मचारियों को मालिकाना हक देगी। दिल्ली में जमीन का मामला केंद्र के अधीन है, इसलिए पीएम मोदी को इस संबंध में पत्र लिखा है। केजरीवाल ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं प्रधानमंत्री इसके बारे में राजी होंगे, क्योंकि ये गरीबों के कल्याण के बारे में है और जैसा कि पीएम ने भी कहा है कि दिल्ली में कल्याणकारी योजनाएं लागू रहेंगी। केजरीवाल ने पिछले 2 महीने में 8 घोषणाएं की है। इससे पहले 18 जनवरी को ऐलान किया था कि अगर चुनाव जीतेंगे तो दिल्ली में रह रहे किरायदारों के लिए भी फ्री-बिजली और पानी मुहैया कराया जाएगा।

केजरीवाल ने लिखा- प्रधानमंत्री जी, मैं एनडीएमसी और एमसीडी क्षेत्रों में काम करने वाले सफाई कर्मचारियों के यह पत्र लिख रहा हूं। ये कर्मचारी हमारे शहर की स्वच्छता व्यवस्था की रीढ़ हैं। वे नौकरी के दौरान सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए आवासों में रहते हैं, लेकिन रिटायरमेंट के बाद उन्हें ये घर खाली करने पड़ते हैं।

वे अपना खुद का घर खरीदने या दिल्ली में महंगे किराये पर घर लेने में असमर्थ होते हैं, जिससे वे और उनके परिवार असुरक्षित स्थिति में आ जाते हैं। चूंकि दिल्ली में जमीन से जुड़े मामले केंद्र सरकार के अधीन आते हैं, इसलिए आपसे अनुरोध है कि केंद्र सरकार सफाई कर्मचारियों के लिए रियायती दरों पर जमीन उपलब्ध कराए। दिल्ली सरकार इन जमीनों पर इनके लिए घर बनाकर देगी और कर्मचारी इन घरों की लागत को आसान किस्तों में सरकार को वापस चुका देंगे।

यह समस्या सभी सरकारी कर्मचारियों की है, खास करके निचले तबके के कर्मचारियों की। इसलिए मेरी आपसे दरख्वास्त है की यह योजना सफाई कर्मचारियों से शुरू की जाए और उसके बाद सभी सरकारी कर्मचारियों के लिए लागू की जाए।

राहुल गांधी का व्हाइट टी-शर्ट मूवमेंट शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को गरीब और मेहनतकश वर्ग के लिए व्हाइट टी-शर्ट मूवमेंट अभियान शुरू किया है। कांग्रेस का कहना है कि व्हाइट टी सिर्फ कपड़े का टुकड़ा नहीं, बल्कि संविधान की रक्षा और न्याय के लिए खड़े होने का प्रतीक है। पार्टी ने आगे कहा कि आज मेहनतकश वर्ग मोदी सरकार की गलत नीतियों की वजह से भयंकर दबाव में जी रहा है। बढ़ रही महंगाई ने इनके सपने को तोड़ दिया है। कंपनियां तो फायदे में हैं, लेकिन इनकी आमदनी नहीं बढ़ रही है। जिंदगी और बदतर होती जा रही है। मेहनतकश वर्ग उत्पीड़न, हिंसा और शोषण का शिकार होते जा रहे हैं। देश में धन असमानता सभी बड़ी समस्या है। जाति और धर्म के आधार पर ये खाई और बड़ी है। इस खाई को हमें पाटना हैं।

मोदी का फोकस अमीरों को अमीर करने पर मोदी सरकार ने गरीब और मेहनतकश वर्ग से अपना मुंह मोड़ लिया है। उन्हें पूरी तरह से उनके हाल पर छोड़ दिया है। सरकार का पूरा ध्यान सिर्फ गिने चुने पूंजीपतियों को ही और समृद्ध करने पर है। इस वजह से असमानता लगातार बढ़ती जा रही है और खून-पसीने से देश को सींचने वाले श्रमिकों की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है।

पुजारी कांकेर मुठभेड़...5 महिला समेत 18 नक्सली मारे गए

जगदलपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर 16 जनवरी को हुई मुठभेड़ में 12 नहीं बल्कि 18 नक्सली मारे गए। इनमें एससीएम (सेंट्रल कमेटी मेंबर) दामोदर भी मारा गया। इसकी जानकारी दक्षिण बस्तर जोनल कमेटी के सचिव गंगा ने पर्चा जारी कर दी है। दामोदर पर 50 लाख का इनाम घोषित था।

फोर्स ने 12 नक्सलियों के शव बरामद किए हैं, जिसमें 10 की पहचान कर ली गई है। मरने वालों में 5 महिला नक्सली भी शामिल हैं। इन पर कुल 59 लाख रुपए का इनाम था। 6 नक्सलियों के शव को खुद नक्सल संगठन के लोग साथ लेकर चले गए। गंगा ने जो पर्चा जारी किया है उसमें लिखा है कि, इस मुठभेड़ में स्ष्टरू दामोदर दादा, एससीएम हुंगी, देवे, जोगा, नरसिंहराव समेत कुल 18 साथी मारे गए।

दामोदर उर्फ बड़े चोखा राव दक्षिण बस्तर के दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा इन 3 जिलों की सरहद में सक्रिय था। ज्यादातर पामेड़ एरिया कमेटी में इसकी मौजूदगी की सूचना मिलती थी।

ये अपने पास्च्-47 और स्क्रजैसे राइफल रखता था। इसकी सुरक्षा में करीब 8 से 10 गार्ड रहते थे।

उदयपुर से जल्द शुरू होगी तीसरी वंदे भारत ट्रेन

उदयपुर (एजेंसी)। भारतीय रेलवे यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लगातार आधुनिक ट्रेनों का विस्तार कर रहा है। इसी कड़ी में उदयपुर से गुजरात के असारवा के बीच जल्द ही तीसरी वंदे भारत ट्रेन शुरू करने की योजना बनाई जा रही है। रेलवे बोर्ड ने इस संबंध में प्रस्ताव मांगा है और वेस्टर्न रेलवे, मुंबई ने बोर्ड के मौखिक आदेश पर इसकी योजना तैयार कर ली है। यदि सब कुछ सही रहा, तो फरवरी महीने से इस ट्रेन के संचालन की आधिकारिक घोषणा हो सकती है। इस नई वंदे भारत ट्रेन का संचालन सप्ताह में छह दिन किया जाएगा, जिसमें मंगलवार को इसका परिचालन नहीं होगा। यह ट्रेन सुबह 6ः10 बजे उदयपुर से रवाना होगी और 10ः25 बजे असारवा पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन शाम 5ः45 बजे असारवा से प्रस्थान कर रात 10ः00 बजे उदयपुर पहुंचेगी। ट्रेन में कुल 8 कोच होंगे और यह पूरी तरह चेयरकार सुविधा से लैस होगी, जिससे यात्रियों को आरामदायक सफर का अनुभव मिलेगा।

इसके अलावा, रेलवे बोर्ड जयपुर से उदयपुर होते हुए अहमदाबाद के लिए स्लीपर वंदे भारत ट्रेन शुरू करने पर भी विचार कर रहा है। इस प्रस्ताव को लेकर गहन अध्ययन किया जा रहा है, जिससे यात्रियों को और अधिक सुविधाजनक यात्रा का विकल्प मिल सके। वंदे भारत ट्रेनें अपनी तेज रफ्तार, अत्याधुनिक सुविधाओं और आरामदायक यात्रा अनुभव के लिए जानी जाती हैं। यदि यह योजना अमल में आती है, तो इस रूट पर यात्रा करने वाले यात्रियों को काफी लाभ होगा।

उदयपुर-असारवा रेलखंड के विद्युतीकरण का कार्य हाल ही में पूरा किया गया है, जिससे इस रूट पर

अब बिजली से चलने वाली ट्रेनों का संचालन संभव हो गया है। इस रूट पर पहली बार 11 जनवरी से इंदौर-असारवा और 14 जनवरी से कोटा-असारवा ट्रेनों का विद्युत इंजन से संचालन शुरू किया गया है। विद्युतीकरण से न केवल रेलवे का खर्च कम होगा, बल्कि ट्रेन संचालन की गति और क्षमता भी बढ़ेगी।

नई वंदे भारत ट्रेन के शुरू होने से राजस्थान और गुजरात के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को काफी सहूलियत मिलेगी।

ट्रेन की तेज गति, आधुनिक सुविधाएं और आरामदायक सीटिंग व्यवस्था इसे यात्रियों के लिए एक बेहतरीन विकल्प बनाएगी। इसके अलावा, अगर जयपुर-उदयपुर-अहमदाबाद रूट पर स्लीपर वंदे भारत ट्रेन चलाई जाती है, तो लंबी दूरी के यात्रियों को भी शानदार यात्रा अनुभव प्राप्त होगा।

भारतीय रेलवे की यह पहल यात्रियों की यात्रा को न केवल तेज बल्कि सुरक्षित और आरामदायक भी बनाएगी। फरवरी से इस नई ट्रेन के संचालन की आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है, जिससे यात्री लाभान्वित हो सकेंगे।

बीसीसीआई के नियमों पर ये क्या बोल गए रोहित शर्मा और अजीत अगरकर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में टीम इंडिया की हार के बाद खिलाड़ियों के लिए कुछ नए नियम बनाए। नए नियमों को 10 पॉइंट्स में बांटा गया, जिसमें घरेलू क्रिकेट खेलने से लेकर दौरे पर खिलाड़ियों का परिवार के साथ नहीं जाना शामिल था। अब इन नियमों पर टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने सवाल खड़े किए हैं साथ ही चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने कहा कि ये कोई स्कूल नहीं है।

दरअसल, रोहित शर्मा से बीसीसीआई की नई पॉलिसी के बारे में सवाल पूछा गया जिसके जवाब में उन्होंने कहा कि, आपको इन नियमों के बारे में किसने बताया? क्या ये बीसीसीआई के आधिकारिक हैंडल से आए हैं? इन्हें आधिकारिक तौर पर आने दीजिए। इसके अलावा प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित शर्मो का ये कहते सुना गया कि नया नियमों को लेकर सारे खिलाड़ी उन्हें कॉ कर रहे हैं।

इसके अलावा अजीत अगरकर ने बीसीसीआई के नए नियमों पर कहा कि, हर टीम के कुछ नियम होते हैं और खेलते वक्त आप नियमों को फॉलो करते हैं। ये कोई स्कूल नहीं है। ये कोई सजा नहीं है। आप स्वाभाविक रूप से कुछ चीजों को फॉलो करते हैं जैसे कि हर टीम करती है। वैसे भी उनमें से बहुत सारे जगह पर हैं और जैसे जैसे आगे बढ़ते हैं आप इसे रिफाइन करते हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो वनडे के लिए उपलब्ध नहीं होंगे बुमराह, उन्हें आराम करने को कहा गया-अगरकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने कहा कि जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो वनडे के लिए फिट नहीं हो पाएंगे जिसके कारण हर्षित राणा को उनकी जगह शामिल करने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि वे मुख्य तेज गेंदबाज की स्थिति पर मेडिकल टीम से अपडेट का इंतजार कर रहे हैं। बुमराह को हालांकि इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला के बाद होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में शामिल किया गया है।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के साथ एक प्रेस कांफ्रेंस में अगरकर ने कहा, ''बुमराह को पांच सप्ताह के लिए आराम करने को कहा गया है जिससे वह इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो वनडे के लिए उपलब्ध नहीं हो पायेंगे। हम उनकी फिटनेस का इंतजार कर रहे हैं और हमें मेडिकल टीम से उनकी स्थिति के बारे में फरवरी की शुरुआत में पता चलेगा।''

पीठ की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट के पांचवें दिन गेंदबाजी नहीं कर पाए थे। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अंतिम टीम 11 फरवरी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को सौंपनी होगी। चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से शुरू होगी। इसस पहले भारत छह, नौ और 12 फरवरी को इंग्लैंड के खिलाफ तीन द्विपक्षीय वनडे मैच खेलेगा।

भारत में एथलेटिक्स बढ़ रहा है; युवाओं की ताकत कई चीजें बदल सकती है-मो फराह

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंबी दूरी के महान धावक सर मो फराह का मानना है कि भारत में एथलेटिक्स तेजी से लोकप्रिय हो रहा है और युवाओं को खेल में शामिल करने से कई चीजों में बदलाव लाने की ताकत है जिसमें देश में खेलों का विकास भी शामिल है। चार ओलंपिक पदक के साथ अब तक के सबसे महान लंबी दूरी के धावकों में से एक फराह भारत के खेलों में विकास से प्रभावित है। टाटा मुंबई मैराथन के 20वें सत्र के ब्रांड दूत फराह ने कहा, ''देश के विकास, युवा एथलीटों की प्रतिभा को देखना शानदार है। आप अगर कड़ी मेहनत करें तो जीवन में कुछ भी संभव है और निश्चित रूप से भारत में भी ऐसा ही हो

रहा है।'' उन्होंने कहा, ''आप जानते हैं कि यह (भारत में एथलेटिक्स) बढ़ रहा है, खेल बढ़ रहा है। जरूरी नहीं कि यह नंबर एक खेल हो, लेकिन यह बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, '' मुझे राष्ट्रमंडल खेलों और अन्य चैंपियनशिप के लिए भारत आना याद है। युवा (एथलीटों) को देखना अच्छा लगता है और मेरा मानना है कि खेलों में कई चीजें में सकारात्मक बदलाव लाने की ताकत है।

हेड कोच गौतम गंभीर के साथ अनबन की खबरों पर कप्तान रोहित शर्मा ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम को हार का मुंह देखना पड़ा। जिसके बाद बीजीटी में रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज 3-1 से हार गई। वहीं इसके बाद से ही भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और हेड कोच गौतम गंभीर के बीच अनबन की खबरे सामने आईं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि रोहित शर्मा और गौतम गंभीर में सबकुछ ठीक नहीं है, दोनों के बीच अनबन चल रही है, लेकिन इन दावों की सच्चाई कप्तान रोहित शर्मा ने सामने रख दी है। रोहित ने गौतम गंभीर के साथ अपने रिश्ते की सच्चाई बताई है। रोहित शर्मा ने कहा कि हेड कोच गौतम गंभीर उस प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं करते तो बतौर कप्तान आपको मैदान पर करना होता है। वह पूरी तरह आपके फैसले के साथ होते हैं, वह कप्तान के तौर पर आपके फैसले पर भरोसा दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे हेड कोच गौतम गंभीर बातें तब करते हैं, जब मैं ऑफ द फील्ड होता हूं। तब हमारे हेड कोच जरूर बताते हैं कि क्या करना है? आगे की रणनीति क्या होगी। लेकिन जब कप्तान के तौर पर मैं मैदान पर होता हूं तो गंभीर हस्तक्षेप नहीं करते। हम लोग एक-दूसरे की प्रक्रिया में भरोसा करते हैं हम दोनों के रिश्ते अच्छे हैं। बताते चलें कि पिछले दिनों टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट सीरीज में हार झेलनी पडी। वहीं भारत ने करीब 10 साल बाद बीजीटी गंवाई। इस हार के बाद कहा गया कि टीम इंडिया के खिलाड़ियों और हेड कोच में नहीं बन रही है। साथ ही कप्तान के साथ ही कोच की अनबन है। दोनों दिग्गजों के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है।

पंजाब सरकार की अनदेखी का दर्द अब भी है अर्जुन पुरस्कार विजेता सुचा सिंह को

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व एथलीट सुचा सिंह को जब लंबे इंतजार के बाद अर्जुन पुरस्कार (लाइफटाइम) से नवाजा गया तो इसे मिलने की खुशी उनकी डबडबाई आंखों और रूंधी आवाज से महसूस की जा सकती थी लेकिन पंजाब सरकार की अनदेखी का दर्द अब भी उनकी जुबां पर आ ही जाता है। अर्जुन पुरस्कार दिये जाने की घोषणा के बाद पंजाब के 74 साल के सिंह कीसारी नाराजगी दूर हो गई थी क्योंकि आखिर देश ने उनकी उपलब्धियों को सम्मानित किया। अर्जुन पुरस्कार के लिए वह 10 साल तक फॉर्म भरते रहे और थककर उम्मीद छोड़ दी थी।

सिंह ने 'भाषा' से बातचीत में कहा, ''अर्जुन पुरस्कार मिलने से पूरी जिंदगी की कड़ी मेहनत का फल मिल गया, देश के लिए पदक जीतने के लिए जीजान लगा दी थी लेकिन अपनी उपलब्धियों की अनदेखी किये जाने का गम था, जो अब इस पुरस्कार ने खत्म कर दिया। '' यह बोलते हुए उनकी आंखे डबडबा गई। उन्होंने अपने खेल के दिनों की बात याद करते हुए कहा, ''जब मैं 1965 में जंग के समय सेना में भर्ती हुआ था तो ट्रेनिंग के साथ साथ अपनी स्पर्धा का अभ्यास भी करता था। मैं

कबड्डी और दौड़ने में काफी अच्छा था, पर सेना के कोच ने मुझे दौड़ पर ध्यान लगाने के लिए कहा। मेरे पास दौड़ने के जूते नहीं थे जो तब 400 रुपये में आते थे और मेरी तनख्वाह थी 150 रुपये। ''पंजाब सरकार से भी उन्हें वो सम्मान नहीं मिला जिसकी उन्हें उम्मीद थी। उन्होंने कहा, ''पंजाब सरकार ने कभी भी उस तरह सम्मानित नहीं किया जैसे अन्य राज्य सरकार करती हैं, मुझे मेरी उपलब्धियों के लिए 100 रूपये का लिफाफा मिला था जबकि मैंने इस समारोह में शिरकत करने के लिए 800 रूपये जोड़े थे जिसमें से 200 रूपये तो दोस्तों ने ही जश्न मनाने में खत्म करवा दिये थे। '' अपने समय में खिलाड़ियों को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, ''तब खिलाड़ियों के लिए इतनी सुविधायें नहीं होती थीं, कोई प्रायोजक नहीं होता था। दौड़ने के लिए कोई ट्रैक नहीं होता था, 1982 में जब नयी दिल्ली में एशियाई खेलों की मेजबानी की गई तभी जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम बना था। मेरे पास दौड़ने के लिए जूते और ट्रैक सूट नहीं था। '' सिंह ने कहा, ''पहले इतने कोच और अभ्यास के लिए उपकरण नहीं होते थे। अब दौर ही बदल गया है। अब खिलाड़ियों की उपलब्धियों का पूरा सम्मान होता है। ''उन्हें देश के लिए 1972 म्यूनिख ओलंपिक में प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया था लेकिन चोट के कारण वह इसमें हिस्सा नहीं ले सके और खेल के इस महासमर में खेलने का उनका सपना पूरा नहीं हो सका। देश को 1970 में बैंकाक में छठे एशियाई खेलों में चार गुणा 400 मीटर रिले में रजत पदक दिलाने वाले सिंह अपने शुरूआती दिनों की बात करते हुए काफी उत्साह से भर जाते हैं कि किस जुनून और कड़ी मेहनत से वो देश को तमगा दिलाने में लगे रहते थे।

आठ साल सेना में रहने के बाद वह 1973 में टाटा स्टील में जमशेदपुर चले गये जहां उनकी तनख्वाह 5000 रूपये हो गई। सिंह ने कहा, ''खेलों में शानदार प्रदर्शन के बावजूद मुझे सेना में 'कमिशन' नहीं मिला था। हालांकि पदोन्नति पर सिर्फ पांच रूपये बढ़ते थे। फिर मैं जमशेदपुर चला गया और जब तक टाटा स्टील में रहा, उनका सर्वश्रेष्ठ एथलीट रहा। '' उन्होंने इसी दौरान तेहरान में हुए 1974 में सातवें एशियाई खेलों में चार गुणा 400 मीटर रिले में रजत पदक और फिर अगले साल दक्षिण कोरिया के सोल में हुई दूसरी एशियाई एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। सिंह हालांकि ओलंपिक में नहीं खेल पाये लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए वेटरंस टूर्नामेंट में भी हिस्सा लिया। इससे पहले वह अर्जुन पुरस्कार के लिए लगातार 10 साल तक फॉर्म भरते रहे लेकिन फिर बंद कर दिया।

चार स्पिनरों के जांचे परखे फार्मूले पर निर्भरता के कारण चैम्पियंस ट्रॉफी से सिराज बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्पिन पर भारत की निर्भरता और पुरानी गेंद से मोहम्मद सिराज के प्रभावित नहीं कर पाने के कारण चैम्पियंस ट्रॉफी टीम से उन्हें बाहर रहना पड़ गया। भारत ने 19 फरवरी से शुरू हो रहे आठ टीमों के टूर्नामेंट के लिये 15 सदस्यीय टीम का शनिवार को ऐलान किया।

भारत को अपने सारे मैच दुबई में खेलने हैं। दुबई की पिचें तेज गेंदबाजों की ज्यादा मदद नहीं करती लिहाजा भारत ने वेस्टइंडीज में हुए टी20 विश्व कप की तरह चार स्पिनरों कुलदीप यादव, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर को चुना है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने वानखेड़े स्टेडियम पर टीम का ऐलान करने के बाद मीडिया से कहा ,'' हम ऐसी टीम चाहते थे जिसमें हमारे पास दोनों विकल्प हों यानी नयी गेंद से गेंदबाजी का और डैथ ओवरों का भी।'' जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो वनडे के लिये उपलब्ध नहीं हैं और 12 फरवरी को अहमदाबाद में आखिरी मैच में ही लौटेंगे। नागपुर और कटक में पहले दो वनडे के लिये हर्षित राणा को चुना गया है। रोहित ने स्वीकार किया कि सिराज की गैर मौजूदगी में टीम में अनुभव की कमी लग रही है लेकिन उन्होंने इस फैसले का कारण भी बताया। उन्होंने कहा ,'' हम चाहते थे कि अर्शदीप सिंह आखिर में और मोहम्मद शमी नयी गेंद से गेंदबाजी करे। अगर सिराज नयी गेंद से गेंदबाजी नहीं कर रहा है तो वह उतना प्रभावित नहीं कर पाता। ''उन्होंने कहा ,'' हमने इस पर विस्तार से बात की और हम तीन तेज गेंदबाजों को ही लेकर जा रहे हैं क्योंकि हम चाहते हैं कि सारे हरफनमौला उपलब्ध हों। सिराज के लिये यह दुर्भाग्यपूर्ण है लेकिन हमारे पास कोई विकल्प नहीं था।

बीमार पड़ने के बाद डेनिश बैडमिंटन खिलाड़ी ब्लिचफेल्ट ने की दिल्ली स्टेडियम की आलोचना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बैडमिंटन की विश्व नंबर 23 खिलाड़ी डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट ने इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दौरान दिल्ली और इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम की स्थितियों की कड़ी आलोचना की। गुरुवार को महिला एकल के दूसरे दौर में हारने वाली ब्लिचफेल्ट ने दिल्ली में स्टेडियम की स्थिति और प्रदूषण पर निराश व्यक्त की है। ब्लिचफेल्ट को लगता है कि, इसके कारण उनकी सारी तैयारी बर्बाद हो गई क्योंकि वह लगातार दूसरे साल टूर्नामेंट के दौरान बीमार पड़ गई।

ब्लिचफेल्ट ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा कि,आखिरकार भारत में एक लंबे और तनावपूर्ण सप्ताह के बाद आखिरकार घर पहुंच गई हूं। यह लगातार दूसरा वर्ष है जबकि इंडिया ओपन के दौरान मैं बीमार पड़ गई थी। यह

स्वीकार करना वाकई मुश्किल है कि कई हफ्तों की मेहनत और तैयारी खराब परिस्थितियों के कारण बर्बाद हो जाती है।

यह किसी के लिए भी उचित नहीं है कि हमें धुंध, कोर्ट पर पक्षियों द्वारा फैलाई गई गंदगी और हर तरफ गंदगी के बीच अभ्यास करना और खेलना पड़ा। साथ ही डेनमार्क की इस खिलाड़ी ने विश्व बैडमिंटन महासंघ को टैग करते हुए लिखा कि, इस तरह की स्थितियां स्वास्थ्य के लिए हानिकारक और अस्वीकार्य हैं। मुझे खुशी है कि मैं पहले दौर में जीत हासिल करने में सफल रही और दूसरे दौर में भी मैंने अच्छा खेल दिखाया लेकिन जिस तरह की स्थिति थी उससे मैं संतुष्ट नहीं हूं।

ब्लिचफेल्ट ने पहले बताया कि वह पेट में संक्रमण से पीड़ित हैं और मंगलवार रात भार उल्टियां करती रहीं। इसके बावजूद उन्होंने जूली जैकबसेन के खिलाफ अपना पहला राउंड मैच 21-9, 21-14 के स्कोर के साथ जीता। हालांकि, उन्हें गुरुवार को चीन की वांग जी यी के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा और आखिर में 63 मिनट के कठिन मैच के बाद हार झेलनी पड़ी।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में जसप्रीत बुमराह के खेलने की पुष्टी नहीं?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भरातीय कप्तान रोहित सर्मा और बीसीसीआई के प्रमुख चयनकर्ता अजित अगरकर ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए टीम इंडिया के स्क्वॉड का ऐलान किया है। इस स्क्वॉड में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और अर्शदीप सिंह को भी शामिल किया गया है। हालांकि, अगरकर ने बुमराह की फिटनेस को लेकर थोड़ा संशय दिखाते हुए कहा कि, मेडिकल टीम उनकी फिटनेस स्थिति पर टिप्पणी करेगी।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, बुमराह का 2 फरवरी को स्कैन किया जाएगा। स्कैन के नतीजे इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए बुमराह के भविष्य का फैसला करेंगे। वह निस्संदेह इस पीढ़ी के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं और भारत को उनके शरीर को जोखिम में नहीं डालना चाहिए। बहरहाल, पहेली यह है कि शमी भी सर्जरी से लौट रहे हैं और अभी तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी नहीं कर पाए हैं। अर्शदीप सिंह, जिन्हें मोहम्मद सिराज की जगह चुना

गया है, अभी भी वनडे क्रिकेट में नए हैं। अगरकर ने कहा है कि हो सकता है कि बुमराह आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से पहले इंग्लैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज खेलने के लिए फिट न हों। इसके चलते हर्षित राणा इंग्लैंड के खिलाफ वनडे में खेलेंगे। बता दें कि, बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान बुमराह की पीठ में ऐंठन हुई थी और यहां तक ??कि वह आंशिक रूप से महत्वपूर्ण सिडनी टेस्ट में भी नहीं खेल पाए थे। बुमराह के बिना भारत मैच हार गया और सीरीज 3-1 से हार गया।

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुनदार, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा।

पीएमश्री-एक्सीलेंस कॉलेजों के अतिथि विद्वानों का होगा स्थानांतरण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सरकारी कॉलेजों में रिक्त पदों में जो अतिथि विद्वान पीएमश्री एवं एक्सीलेंस कॉलेजों में सेवा कर रहे थे उनके स्थानांतरण के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने कैलेंडर जारी कर दिया है। जिसके अनुसार 20 से 25 जनवरी तक अतिथि विद्वानों को च्वाइस फिलिंग करना है इसके बाद मेरिट सूची जारी की जाएगी और महाविद्यालयों का आवंटन किया जाएगा।जो कॉलेज अतिथि विद्वानों को आवंटित होगा उनको 28 से 31 जनवरी तक ज्वाइनिंग देनी है। वहीं प्राचार्य भी ज्वाइनिंग के बाद बचे हुए पदों को पोर्टल में अपडेट करेंगे।अब विभाग पूरी तरह से पीएमश्री और एक्सीलेंस कॉलेजों को अपडेट करने में लगा हुआ है।

पिछले माह ही लगभग 630 प्राध्यापकों की लिस्ट जारी हो चुकी थी डिप्लॉयमेंट की: अभी पिछले माह ही उच्च शिक्षा विभाग ने लगभग 630 प्राध्यापकों का इंटरव्यू लेकर स्थानांतरण किया था।जिसको विभाग ने दो माह के लिए डिप्लॉयमेंट नाम दिया था।अब ऐसी संभावना बन रही है कि जल्द ही ट्रांसफर लिस्ट जारी की जाएगी।जिससे पीएमश्री एवं एक्सीलेंस कॉलेजों में नियमित प्राध्यापकों की नियुक्ति होगी।

अतिथि विद्वानों ने कहा,स्थाई/समायोजन करे सरकार तब बात बने: वहीं अतिथि विद्वान महासंघ ने सरकार एवं शीर्ष अधिकारियों से फिर गुहार लगाई है।संघ के जिलाध्यक्ष डॉ पुष्पराज सिंह ने कहा कि रिक्त पदों के विरुद्ध सेवा करने वाले अतिथि विद्वानों को स्थाई/समायोजन करना चाहिए सरकार को एवं विभाग को अनुभव योग्यता के आधार पर।ऐसे में हर पल अतिथि विद्वानों को बाहर होने का डर सताता रहता है।

माननीय मुख्यमंत्री जी, उच्च शिक्षा मंत्री जी से करबद्ध प्रार्थना है कि अब और इंतजार ना करवाएं। अतिथि विद्वानों की उम्र 55 से 60 वर्ष हो चुकी है अब स्थाई करें कैडर बनाए।रोज रोज अंदर बाहर का मामला खत्म होना चाहिए।विद्वान अनुभवी हैं योग्य है फिर भी स्थाई नहीं है।

डॉ आशीष पांडेय, प्रदेश मीडिया प्रभारी महासंघ

समर्थन मूल्य पर गेंहू खरीदी के लिए पंजीयन आज से शुरू

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य देने के लिए शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीद की जाती है। शासन द्वारा वर्तमान वर्ष के लिए गेंहू का समर्थन मूल्य 2425 रूपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। समर्थन मूल्य पर गेंहू खरीदी के लिए किसानों का पंजीयन 20 जनवरी से 31 मार्च तक होगा। किसान एमपी किसान एप, ई-उपार्जन पोर्टल तथा ई-उपार्जन मोबाइल एप पर अपना पंजीयन करा सकते हैं। इस संबंध में जिला आपूर्ति नियंत्रक सीबीएस जादौन ने बताया कि रीवा जिले में गेंहू उपार्जन के लिए 85 खरीदी केन्द्र प्रस्तावित किए जा रहे हैं। किसान इन खरीदी केन्द्रों में गेंहू उपार्जन के लिए पंजीयन करा सकते हैं। सभी किसान निर्धारित खरीदी केन्द्रों में अपना आनलाइन पंजीयन अवश्य करायें। पंजीकृत किसानों से ही समर्थन मूल्य पर गेंहू की खरीद की जायेगी। स्वयं के मोबाइल, कम्प्यूटर, खरीदी केन्द्र तथा ग्राम पंचायत कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्र में पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था की गई है। किसान 50 रुपए का शुल्क देकर एमपी ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केन्द्र तथा साइबर कैफे में पंजीयन करा सकते हैं। जिला आपूर्ति नियंत्रक ने बताया कि पंजीयन के समय किसान आधार संख्या से लिंक बैंक खाते दर्ज करें जिससे ऑनलाइन भुगतान किया जा सके। पंजीयन कराने के लिए किसान को बोये गये खेत के खसरा नंबर की ऋण पुस्तिका, आधार से लिंक बैंक खाते की जानकारी देकर अपना पंजीयन करा सकते हैं। बटाईदार एवं सिकमी किसानों के लिए भी ऑनलाइन पंजीयन की व्यवस्था की गयी है। केवल पंजीकृत किसानों को ही गेंहू उपार्जन का लाभ दिया जायेगा।

यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा को लेकर युवाओं से किया संवाद

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पुलिस कंट्रोल रूम में सड़क सुरक्षा अभियान के तहत युवाओं के साथ बैठक ली। जिसमें यातायात पुलिस के द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर उनके साथ चर्चा की गई। जिले में हिट एंड रन जैसे मामलों में निरंतर हो रही बढ़ोतरी पर अंकुश लगाने के लिए लोगों के विचारधाराओं में परिवर्तन लाने का अभियान चलाया जा रहा है। ट्रैफिक सूबेदार ने युवाओं को बताया कि दुर्घटना जानबूझकर नहीं होती और यदि होती है तो उसका तत्काल उपचार कराना ही मानवता है। जिसके लिए पुलिस विभाग ऐसे लोगों को प्रोत्साहित भी कर रहा है।

बताया गया कि किसी भी दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को समय पर उपचार देने वाले को पुलिस विभाग ने इनाम की भी घोषणा कर रखी है। बतादें कि निरंतर हो रहे सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए हेलमेट और अन्य नियमों से रूबरू कराने के लिए युवाओं के साथ पुलिस कंट्रोल रूम में यातायात पुलिस के द्वारा संवाद किया गया। नेहरू युवा केंद्र के साथ यातायात पुलिस अब सड़कों पर यातायात संबंधी नियमों की जानकारी लोगों को देगी।

एमपीपीएससी में जिले की बेटियों ने किया कमाल

ऑटो चालक की बेटी का डिप्टी कलेक्टर के पद पर चयन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग ने राज्य सेवा परीक्षा 2022 के मुख्य परिणाम घोषित कर दिए हैं। जिसमें रीवा शहर में ऑटो चालक की बेटी का डिप्टी कलेक्टर के पद पर चयन हुआ है। जिससे पूरे परिवार में खुशी का माहौल है। शहर के अमहिया मोहल्ले की रहने वाली आयशा अंसारी ने काफी विपरीत परिस्थितियों में तैयारी की। उनके पास महंगी कोचिंग में जाने के लिए संसाधन नहीं थे, ऐसे में उन्होंने खुद से मेहनत करते हुए एमपीपीएससी की परीक्षा पास कर यह सफलता हासिल की। आयशा की प्रारंभिक शिक्षा शासकीय प्रवीण कुमारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में हुई थी और उच्च शिक्षा उन्होंने आदर्श विज्ञान महाविद्यालय से हासिल की। उनके माता-पिता की इच्छा थी कि बेटियां पढ़ लिखकर जीवन में कोई बेहतर मुकाम हासिल करें। माता-पिता की ही प्रेरणा से आयशा ने परीक्षा की तैयारी प्रारंभ की। शुरुआती दो प्रयासों में असफलता के बाद आखिरकार तीसरे प्रयास में उन्होंने सफलता हासिल की। आयशा अंसारी के मुताबिक ईमानदारी से की गई मेहनत जरूर सफलता दिलाती है।

दो सगी बहनों ने एमपीपीएससी में पाई सफलता

वहीं रीवा जिले से ही दो सगी बहनों ने भी एमपीपीएससी बड़ी सफलता हासिल की है। त्योंथर तहसील के रक्सहा गांव के नारायण सिंह परिहार की बेटियां आरती सिंह और पूजा सिंह ने एमपीपीएससी परीक्षा क्रैक की है। जिसमें बड़ी बेटी आरती का चयन स्कूल शिक्षा विभाग में सहायक संचालक व छोटी बेटी पूजा सिंह का चयन वाणिज्य कर निरीक्षक पद पर हुआ है। बतादें कि आरती की प्रारंभिक शिक्षा सरस्वती स्कूल निराला नगर और पूजा की सेंट्रल एकेडमी रीवा में हुई थी। उन्होंने उच्च शिक्षा सरस्वती कॉलेज निराला नगर से हासिल की थी। दोंनों बहनों ने 2019 से तैयारी शुरू की थी। आरती सिंह और पूजा सिंह को तीसरे प्रयास में यह सफलता मिली है। परिवार के सदस्यों ने दो बार असफलता के बाद भी उन्हें हिम्मत नहीं हारने दी और आगे तैयारी के लिए प्रेरित किया जिससे तीसरे प्रयास में उन्हें सफलता मिली। बतादें कि इनके पिता नारायण सिंह पुलिस विभाग में एएसआई हैं और सीधी के आजाक थाने में पदस्थ हैं। आरती की शादी हो चुकी है और उनके पति रणबहादुर सिंह सीधी के कमर्जी थाने में प्रधान आरक्षक हैं।

जनकल्याण शिविरों में आमजनता के आवेदनों का हो रहा निराकरण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले भर में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत 15 दिसम्बर से 26 जनवरी तक शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए आवेदन पत्र भरवाए जा रहे हैं। साथ ही आमजनता के आवेदनों का मौके पर निराकरण किया जा रहा है। जिले के सभी विकासखण्डों में शिविरों का लगातार आयोजन किया जा रहा है। अब तक जिले में कुल 623 शिविर आयोजित किए गए हैं, जिनमें आमजनता से 70686 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। इनमें से 66374 आवेदन पत्र मंजूर किए गए हैं।

इस संबंध में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि 18 और 19 जनवरी को सभी विकासखण्डों में ग्राम पंचायत स्तर पर शिविरों का आयोजन किया गया। रीवा जनपद पंचायत के ग्राम अमिरती में आयोजित शिविर में 31 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। जनपद पंचायत सिरमौर के ग्राम पंचायत झलवार में आयोजित शिविर में 206 तथा जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान की ग्राम पंचायत तिवरिगवां में आयोजित शिविर में 95 और भौवार में आयोजित शिविर में 29 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। इनमें प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान कार्ड, खाद्यान्न पर्ची, संबल योजना में पंजीयन, किसान सम्मान निधि में ई केवाईसी में पंजीयन तथा राजस्व विभाग से संबंधित प्रकरण शामिल हैं।

कुम्भ मेले के श्रद्धालुओं के लिए चाकघाट में बनाया गया रैन बसेरा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के चाकघाट में महाकुंभ के लिए प्रयागराज जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए यूपी-एमपी बॉर्डर स्थित नगर परिषद चाकघाट द्वारा अस्थाई रैन बसेरा बनाया गया है। इस रैन बसेरा का निर्माण चाकघाट बॉर्डर पर हाईवे स्थित सड़क किनारे किया गया है। जहां प्रयागराज महाकुंभ के दौरान आवागमन करने वाले श्रद्धालु ठहर सकते हैं। बता दें कि यहां श्रद्धालुओं के ठहरने की उत्तम व्यवस्था के साथ-साथ पेय जल, शौचालय व वाहन पार्किंग की व्यवस्था भी की गई है। सीएमओ संजय सिंह के मुताबिक करीब 150 लोगों के लिए ठहरने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि दूर-दूर से श्रद्धालु कुंभ के मेले में शामिल होने पहुंच रहे हैं जिनकी थकान दूर करने और आराम की व्यवस्था नगर पंचायत द्वारा की गई है।

प्रयागराज सड़क में सतत निगरानी रखें - कमिश्नर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रयागराज में महाकुंभ मेला 13 जनवरी से शुरू हो गया है। मेले में शामिल होने के लिए प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु रीवा प्रयागराज मार्ग से वाहनों द्वारा प्रयागराज पहुंच रहे हैं। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम तथा नेशनल हाइवे के अधिकारियों को रीवा-प्रयागराज मार्ग में सतत निगरानी के निर्देश दिए हैं। कमिश्नर ने कहा है कि प्रयागराज मार्ग में 24 घंटे बड़ी संख्या में वाहनों का आवागमन हो रहा है। सड़क में जहाँ आवश्यक हो वहाँ तत्काल सुधार कार्य कराएं। क्षतिग्रस्त शोल्डर भी तत्काल ठीक करें। जहाँ आवश्यक हो वहाँ पर्याप्त संख्या में संकेतक लगाएं। सोहागी घाटी की सड़क पर विशेष ध्यान दें। कुंभ में शामिल होने वाले यात्रियों के वाहन बिना किसी बाधा के सरलता से आवागमन कर सकें, ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करें।

मामूली विवाद पर पिस्टल तानने वाले की सीसीटीवी से पहचान कर किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर में दो पक्षों के बीच हुए मामूली विवाद के दौरान पिस्टल तानने वाले आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद फरार हुए आरोपी की पहचान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से की। आरोपी को गिरफ्तार कर झाड़ियों के बीच छिपा कर रखी गई पिस्टल और कार्तूस को बरामद कर लिया है। मामला रीवा शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में रेलवे फ्लाईओवर के समीप स्थित एक टी स्टाल का है। जहां बीते दिवस दो पक्षों में हुए मामूली विवाद के दौरान आरोपी युवक ने पीड़ित युवक की कनपटी पर पिस्टल तान दी थी घटना की सूचना मिलते ही पुलिस जब मौके पर पहुंची तो आरोपी वहां से फरार हो गया, लेकिन जब पुलिस ने घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला तो मामला साफ हो गया।

सिविल लाइन थाना प्रभारी कमलेश साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि 15 जनवरी को रेलवे फ्लाईओवर के समीप स्थित थलाइवा टी स्टाल में बैकुंठपुर बड़ी सौर निवासी कुलदीप सिंह अपने एक साथी के साथ आया हुआ था जहां पहले से मौजूद युवक से किसी बात को लेकर उनका विवाद हो गया जिस दौरान कुलदीप ने युवक पर अपनी पिस्टल तान दी थी इस घटना की सूचना मिलते ही जब पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपी वहां से भाग चुका था लेकिन वहां लगे सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी की पहचान की गई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है पुलिस के मुताबिक आरोपी ने घटना दिनांक को ही वारदात में प्रयुक्त पिस्टल को इटौरा बायपास स्थित झाड़ियों के बीच छिपा दिया था जिसे आरोपी की निशानदेही पर ही बरामद कर लिया गया है।

जनकल्याण अभियान में 20 और 21 जनवरी को लगेंगे शिविर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पात्र हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ देने के लिए जिले भर में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले के सभी विकासखण्डों में ग्राम पंचायतवार शिविर लगाये जा रहे हैं। इन शिविरों में शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जा रही है साथ ही पात्र हितग्राहियों से आवेदन भरवाकर उन्हें हितलाभ का वितरण किया जा रहा है। इस संबंध में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि जनकल्याण अभियान के तहत 20 और 21 जनवरी को शिविर लगाये जायेंगे।

कलेक्टर ने बताया कि अनुभाग रायपुर कर्चुलियान में 20 जनवरी को पलिया 352 और रघुराजगढ़ तथा 21 जनवरी को कांटी और अवमा 10 में शिविर लगेंगे। अनुभाग हुजूर में 20 जनवरी को कनौजा और दूबी तथा 21 जनवरी को बजरंगपुर और बिहरिया में शिविर लगेंगे। अनुभाग जवा में 20 जनवरी को नष्टिगवां और मदरी तथा 21 जनवरी को सोहावलखुर्द और डपरवार में शिविर लगेंगे। अनुभाग मनगवां में 20 जनवरी को पनगड़ीकला और पताई तथा 21 जनवरी को सिसवा और लालगांव में शिविर लगेंगे। इसी तरह अनुभाग त्योंथर में 20 जनवरी को डीह और कुडरी तथा 21 जनवरी अमिलिया और बसहट में शिविर लगाये जायेंगे। अनुभाग सिरमौर में 20 जनवरी को सिरमौर में पटेहरा सेमरिया, मौहरा और बबैया तथा 21 जनवरी को कुशवार, भमरा और पिपरा में शिविर लगाये जायेंगे। कलेक्टर ने आमजनता से इन शिविरों से लाभ उठाने की अपील की है।

अभाविप द्वारा कबड्डी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अभाविप रीवा द्वारा कबड्डी पुरुष, महिला जूनियर/सीनियर प्रतियोगिता का आयोजन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हुआ, अभाविप द्वारा समर्थित कबड्डी प्रतियोगिता में कुल 12 टीमें 8 पुरुष और 4 महिला टीमें शामिल हुई, जिसमें सीनियर पुरुष रीवा कॉरपोरेशन टीम प्रथम स्थान एवं खेल विभाग टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, तृतीय स्थान ढेकहा टीम ने प्राप्त किया। तथा जूनियर पुरुष रीवा कॉरपोरेशन टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया,सिरमौर टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, आर पी मेमोरियल टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सीनियर बालिका खेल विभाग टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया,रीवा कॉरपोरेशन टीम रही उप विजेता ।

प्रत्येक टीम अपने समूह की अन्य टीमों के खिलाफ एक-एक बार खेली,प्रत्येक समूह की शीर्ष दो टीमें क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई. इसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले 18 जनवरी को हुए । जिसमें प्रमुख रूप से अभाविप रीवा विभाग संगठन मंत्री प्रभात तिवारी जी,प्रांत खेलो भारत प्रमुख संजीव कुमार मिश्रा, जिला खेलो भारत संयोजक मुदित सिंह गहरवार, भाग संयोजक पवन द्विवेदी, नगर मंत्री हर्ष साहू, श्रेया तिवारी, दिशा मिश्रा, उन्नति सिंह एवं अन्य गणमान्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कलेक्टर करेंगी टीएल पत्रों की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में 20 जनवरी को प्रातः 11 बजे से कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में बैठक आयोजित की गई है। बैठक में कलेक्टर टीएल पत्रों, सीएम हेल्पलाइन तथा मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान की समीक्षा करेंगी। बैठक में संबंधित अधिकारियों को उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

नगर निगम द्वारा बिछिया में आज शिविर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत रीवा नगर निगम क्षेत्र में जनकल्याण शिविरों का लगातार आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में आमजनता को विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के साथ पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। इस संबंध में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े ने बताया कि 20 जनवरी को वार्ड क्रमांक 27 के लिए पुराना पुलिस चौकी भवन बिछिया में जनकल्याण शिविर लगाया जा रहा है। आमजनता से शिविर से लाभ उठाने की अपील की गई है।

शिविर में 66374 आवेदन पत्र हुए मंजूर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में 11 दिसम्बर से 26 जनवरी तक मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में आमजनता के आवेदनों पर मौके पर कार्यवाही करने के साथ पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। जिले में 15 दिसम्बर से 19 जनवरी तक आयोजित 623 शिविरों में कुल 70686 आवेदन पत्र आमजनता से प्राप्त हुए।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।